

BEETROOT PACKAGE OF PRACTICES

Congratulations! You have chosen one of the finest Beetroot seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-quality Beetroot seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Beetroot seeds provide excellent germination & better Vigor with tolerance to biotic & abiotic stresses. Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

Beetroot Hybrid	Hero, Brigade, Sindhu										
Duration	100-115 DAS										
Kharif	Yes (in cooler places)										
Rabi	Yes										
Spring	Yes										
Source of Irrigation	Borewell/ Canal										

Please note according to weather conditions crop growth & maturity may be different

S. No.	Particulars/ operations/Practice	Details of operation. input per acre
1	Suitability of the area/ Agro-climatic zone	Temperature: Beetroot is a cool-weather crop that is hardy and tolerates some freezing. It grows best in spring and autumn. Beetroot seeds germinate at soil temperatures from 4.5 to 30°C, with the optimum being 18 to 24 °C.
2	Land / Soil	Beetroot does best on deep and well-drained, loose, loamy to sandy soils. Beetroot prefers a soil pH of 5.8 to 7.0, but can tolerate a pH of up to 7.6.
3	Season. Sowing/ planting time	The sowing times differ with production areas. In winter rainfall areas, seed may be sown from August to end of March and from end of August to middle of March in areas with cool summer.
4	Seed rate. Sowing/ planting method.	General seed rate of 2-4kg / acre
5	Preparation of Main field and planting	The seedbed should be well prepared by ploughing 15 to 20 cm deep to break up clods. The soil should also be as level as possible, have a good crumb structure and enough moisture.
6	Spacing	Sowing depth of about 1 inch, and spacing of 30-40cm between rows and 20 cm between plants
7	Seed treatment before sowing	Soak seeds in water for 12 hours before planting to speed up germination. Alternatively seeds can be treated with Thiram or Captan at 2g per kg of seed.
8	Manures and Fertilizers	Role of nitrogen is very important. 120-160 kg/acre of limestone, ammonium nitrate or ammonium sulphate, depending on soil analysis, are applied in 2 or 3 dressings during the growing season. About 60 kg/acre of nitrogen is usually applied at planting time and the rest when the plants are about 10 to 15 cm high. A total of 200-240 kg/ acre of superphosphate and 80-120 kg/ acre of potassium chloride are applied just before sowing. It should be noted that these are general recommendations and actual amounts of fertilizers should be based on soil analysis.
9	Irrigation schedule	The soil should never be allowed to become dry and it should be kept moist to a depth of 20 to 25 cm. The plantings should receive light water applications daily until the young seedlings come up.
11	Weeding/ inter-cultivation	Weeds must be controlled before they can compete with beet seedlings and interfere with their growth. All weeds between the rows must be removed by hand to avoid damaging the roots. Chemical weed control can also be used following the guidelines specified by the manufacture.
12	Micronutrient/ growth regulator sprays	Boron, Manganese, and Iron are three key micronutrients important in beet cultivation. Based on the soil analysis, if these nutrients are deficient, care must be taken to provide these nutrients.
13	Pest and Disease control	Aphids : Flonicamid 50 % WG (0.5 gm/litre) Red spider: Fenazquin 10% (0.4ml/litre) + Bifenthrin 10% EC (0.5 to 1 ml/litre) Cercospora leaf spot : Mancozeb 75% WP (2 -2.5 gm per litre); Crop Rotation is highly recommended Downy mildew: Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per litre) Damping-off: Captan 75% WS (1.5 to 2 gm per liter) Heart rot : Heart rot in beetroots is mostly caused by boron deficiency, and hence maintenance of adequate boron is key. 0.2% boric acid solution can be sprayed on the foliage twice during the mid-season to control the deficiency symptoms.
14	Harvest	Crop is ready for harvest at 100-115 DAS
15	Expected yield	Yields 8-10 tons from a well managed crop, under ideal conditions.
16	Storage	To maximize the shelf life of beets, store them in a cool, dark place with high humidity, ideally between 2 and 5 degrees Celsius (35.6 to 41 degrees Fahrenheit)
17	Don't Do	Don't over irrigate, and don't plant in shadow.
18	Do's	Proper sunlight and adequate irrigation, balanced fertilization, good air circulation and Gentle harvests
Note	The above information is a general advisory. For specific recommendations related to particular region, please contact your local State Agriculture Department.	
Precautions	Crop growth and yield can be affected by various factors. Therefore, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensure that only high-quality fertilizers and pesticides are used. Retain the bills for the purchase of seeds, fertilizers, and pesticides.	



चुकंदर की खेती का तरीका

बुवाई हो। आपने किस्टल परिवार के बेहतरीन चुकंदर बीजों में से एक को चुना है। किस्टल के पास उच्च गुणवत्ता वाले चुकंदर बीज बनाने का व्यापक अनुभव है। ये बीज व्यापक शोध के फलस्वरूप तैयार किए गए हैं, ताकि अलग-अलग खेती की परिस्थितियों में अधिक उपज देने वाली हाइब्रिड फसल विकसित की जा सके। किस्टल कंपनी बीज निर्माण में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करती है, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिल सके। किस्टल के चुकंदर बीज में उच्च अंकुरण और मजबूत विकास के साथ बैबिक और अबैबिक तनाव सहन करने की क्षमता होती है।

बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने हेतु खेती के अनुश्रित तरीकों को अपनाएँ। आगे कुछ सामान्य सुझाव दिए जा रहे हैं, इसलिए हम आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि फैसला लेने से पहले कृपया उन्हें अच्छी तरह पढ़ लें।

हाइब्रिड चुकंदर	हीरो, हायब्रिड किंगड, सिंधु, सिंधु २००																			
अवधि	100-115 DAS																			
सूरीक	हां (टंडी उपजों में)																			
रबी	हां																			
वर्षा	हां																			
मिचवाई का क्षेत्र	बोरिंग/नहर																			

कृपया ध्यान रखें कि जलवायु की स्थिति के अनुसार फसल बुद्धि और पकने का समय अलग-अलग हो सकता है

क्रम सं.	विषय/संज्ञान/तरीका	कार्यवाही का विवरण प्रति एकड़ लागत
1	क्षेत्र की उपयुक्तता / कृषि-जलवायु क्षेत्र	तापमान: चुकंदर ठंडे मौसम के लिए उपयुक्त फसल है, जो मजबूत होती है और आंशिक ठंड या जमाव झेल सकती है। यह बसंत और शरद ऋतु में बढ़ता है। चुकंदर बीज मिट्टी के तापमान 4.5 से 30°C के बीच अंकुरित होते हैं, और 18 से 24°C पर उनका अंकुरण सबसे अच्छा होता है।
2	भूमि / मिट्टी	चुकंदर गहरी और अच्छी जल निकासी वाली, ढीली, दोमट से बलुई मिट्टी में अच्छी तरह से बढ़ती है। चुकंदर की पसंदीदा मिट्टी का pH 5.8-7.0 है, फिर भी यह 7.6 तक के pH को सहन कर सकता है।
3	मौसमा बुवाई/रोपाई का समय	उत्पादन क्षेत्रों के हिसाब से बुवाई के समय में अंतर होता है। शीतकालीन वर्षा क्षेत्रों में बीज अगस्त से मार्च के अंत तक बोए जा सकते हैं, जबकि ठंडे गर्मियों वाले क्षेत्रों में अगस्त के अंत से मार्च के मध्य तक इसकी बुवाई की जा सकती है।
4	बीज दरा बुवाई/रोपाई का तरीका	बीज की सामान्य मात्रा 2 से 4 किग्रा प्रति एकड़
5	मुख्य खेत की तैयारी और रोपाई	बीज बोने के लिए भूमि को अच्छी तरह तैयार किया जाना चाहिए, 15-20 सेमी गहरी जुलाई करके मिट्टी के ढेरों को तोड़ना आवश्यक है। जितना संभव हो मिट्टी उतनी समतल, अच्छी मृदा संरचना वाली और पर्याप्त जल-संतुलन वाली होनी चाहिए।
6	पौधों के बीच दूरी	बीज लगभग 1 इंच गहरा बोएं, पंक्तियों के बीच 30-40 सेमी और पौधों के बीच 20 सेमी का अंतर रखें।
7	बुवाई से पहले बीज उपचार	बीज बोने से पहले उन्हें 12 घंटे पानी में भिगोकर रखें, ताकि अंकुरण तेजी से हो। बीजों को 2 ग्राम प्रति किग्रा दर से किराम या कैप्टन में भी उपचारित किया जा सकता है।
8	बैबिक और रासायनिक उर्वरक	नाइट्रोजन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मिट्टी के विक्षेपण के आधार पर 120-160 किग्रा/एकड़/एकड़ चुना, अमोनियम नाइट्रेट या अमोनियम सल्फेट फसल के विकास के दौरान 2 या 3 बार डाला जाता है। साधारण तौर पर 60 किग्रा/एकड़/एकड़ नाइट्रोजन बुवाई के समय लगाया जाता है, जबकि बाकी तब दिया जाता है जब पौधे 10 से 15 सेमी की ऊंचाई तक पहुँच जाएँ। बुवाई के पहले कुल 200-240 किग्रा/एकड़/एकड़ सुपरफॉस्फेट और 80-120 किग्रा/एकड़/एकड़ पोटैशियम क्लोराइड डाला जाता है। यह ध्यान रखना चाहिए कि ये सामान्य सुझाव हैं, जबकि उर्वरक की सही मात्रा मिट्टी के विक्षेपण के आधार पर तय की जानी चाहिए।
9	सिंचाई कार्यक्रम	मिट्टी को सूखने नहीं देना चाहिए और 20-25 सेमी गहराई तक नमी बनी रहनी चाहिए। छोटे पौधों के निकलने तक उसे प्रतिदिन हल्का पानी दें।
11	गुआई और खेत की बीच-बीच में जुलाई	बीज अंकुरित होने से पहले खरपतवारों को नियंत्रित करना चाहिए, ताकि वे चुकंदर के पौधों के विकास को बाधित न करें। जड़ को चोट पहुँचाए बिना पंक्तियों के बीच की सभी पास-फूस को हाथ से निकालना आवश्यक है। निर्माता के निर्देशों के अनुसार रासायनिक खरपतवार नियंत्रण का भी उपयोग किया जा सकता है।
12	पोषक तत्व और विकास नियामक का छिड़काव	चुकंदर की खेती में बोरॉन, मैंगनीज और लोहा तीन मुख्य सूक्ष्म पोषक तत्व माने जाते हैं। मिट्टी के विक्षेपण के अनुसार, अगर पोषक तत्व की कमी हो, तो इसकी पूर्ति का ध्यान रखना आवश्यक है।
13	कीट-पतंग और रोग प्रबंधन	एफिड: फ्लोनिकामिड 50% WG (0.5 ग्राम/लीटर) रड स्पाइडर: फेनाजॉब्रिन 10% (0.4 मि.ली./लीटर) + बिकेटिन 10% EC (0.5-1 मि.ली./लीटर) सिरकोस्पोरा लीफ स्पॉट: मैनकोजैब 75% WP (2-2.5 ग्राम/लीटर); फसल चकीकरण करना अत्यावश्यक है। हाउसिलिब्यू: टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लोस्मीट्रोक्विन 25% WG (प्रति लीटर 0.5-1 ग्राम) डैपिंग-ऑफ: कैप्टन 75% WS (1.5-2 ग्राम/लीटर) हार्टे रोट: बोरॉन की कमी चुकंदर में हार्टे रोट का मुख्य कारण है। इस रोग को रोकने के लिए पर्याप्त बोरॉन की आपूर्ति जरूरी है। मध्य फसल अवधि में पत्तियों पर 0.2% बोरिक एमिड छिड़काव कर कमी के लक्षण नियंत्रित किए जा सकते हैं।
14	फसल काटना	100-115 DAS पर फसल की कटाई की जा सकती है।
15	अनुमानित उपज	उत्तम प्रबंधन वाली फसल से आदर्श हालात में 8-10 टन उपज प्राप्त होती है।
16	संशारण	चुकंदर को अधिक समय तक सुरक्षित रखने के लिए उन्हें ठंडे, अंधेरे और नमी वाले स्थान पर रखें, सबसे बेहतर तापमान 2 से 5 डिग्री सेल्सियस (35.6-41°F) है।
17	क्या न करें	बहुत ज्यादा पानी न दें और पौधे को छायादार स्थान पर न लगाएँ।
18	क्या करें	पर्याप्त मूरज की रोपनी, सही मात्रा में पानी, संतुलित खाद, अच्छी हवा का प्रवाह और धीरे-धीरे कटाई

नोट यह जानकारी सिर्फ सामान्य जानकारी के लिए है। विशेष क्षेत्र से जुड़ी अनुश्रमाओं के लिए कृपया अपने संबंधित राज्य कृषि विभाग से संपर्क करें।

सावधानियाँ फसल बुद्धि और उपज पर अलग-अलग तत्वों का प्रभाव पड़ सकता है। अतः मनाह है कि सुझाव के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारी से परामर्श करें। यह सुनिश्चित करें कि बेहतर गुणवत्ता के उर्वरक और कीटनाशक ही इस्तेमाल हों। बीज, उर्वरक और कीटनाशक की खरीद के विल अपने पास रखें।



બીટરૂટ ખેતી માટેની ભલામણ કરેલી પદ્ધતિઓ							
અભિનંદન! તમે કિસ્કલ પરિવારમાંથી શ્રેષ્ઠ બીટરૂટ બીજમાંથી એક પસંદ કર્યું છે. કિસ્કલને ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા બીટરૂટ બીજ ઉત્પન્ન કરવાનો મજબૂત અનુભવ છે. આ બીજ વ્યાપક સંબોધનનું પરિણામ છે, જેનો ઉદ્દેશ્ય વિવિધ કૃષિ આબોહવા માટે યોગ્ય ઉચ્ચ ઉપજ આપતા હાઇબ્રિડ પાક વિકસાવવાનો છે. ખેડૂતોને ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા બીજ મળે તે સુનિશ્ચિત કરવા માટે કિસ્કલ બીજ ઉત્પાદન દરમિયાન નવીનતમ તકનીકો અપનાવે છે. કિસ્કલાના બીટરૂટ બીજ ઉત્તમ અંકુરણ અને વધુ સારી શક્તિ પ્રદાન કરે છે, સાથે જૌલિક અને અજૌલિક તાણ સહન કરે છે.							
ઉત્તમ ઉપજ મેળવવા માટે કૃપા કરીને શ્રેષ્ઠ ખેતી પદ્ધતિઓ અપનાવો. નીચે આપેલ સામાન્ય ભલામણો આપવામાં આવી છે, તેથી અમે તમને કોઈપણ નિર્ણય લેતા પહેલા આ ભલામણો વાંચવા વિનંતી કરીએ છીએ.							
બીટરૂટ હાઇબ્રિડ	હીરો, હાઇબ્રિડ, બિગેડ, સિંધુ, સિંધુ ૨૦૦						
સંમથવાળી	100-115 DAS						
ખરીદ	હા (ઠંડી જગ્યાએ)						
સાબી	હા						
વસંત	હા						
સિંચાઈનો સ્ત્રોત	બોરવેલ/નહેર						
કૃપા કરીને નોંધ લો કે હવામાન પરિસ્થિતિઓ અનુસાર પાકનો વિકાસ અને પરિપક્વતા અલગ અલગ હોઈ શકે છે.							
ક્રમ નં.	વિગતો/કામગીરી/ગ્રીડિક્સ	કામગીરીની વિગતો. પ્રતિ એકર ઇનપુટ					
1	વિસ્તાર /કૃષિ-આબોહવા ક્ષેત્રની યોગ્યતા	તાપમાન: બીટ એ ઠંડા હવામાનનો પાક છે જે સખત હોય છે અને થોડી ઠંડી સહન કરે છે. તે વસંત અને પાનખરમાં શ્રેષ્ઠ રીતે વધે છે. બીટરૂટના બીજ 4.5 થી 30 ° સેલ્સિયસ માટેના તાપમાનમાં અંકુરિત થાય છે, જેમાં શ્રેષ્ઠ તાપમાન 18 થી 24 ° સેલ્સિયસ છે.					
2	જમીન / માટી	બીટ ઊંડી અને સારી રીતે પાણી નિતારેલી, છૂટી, ગોરાડથી રેતાળ જમીનમાં શ્રેષ્ઠ ઊગે છે. બીટ 5.8 થી 7.9 ની માટીનું pH પસંદ કરે છે, પરંતુ 7.6 સુધીના pH ને સહન કરી શકે છે.					
3	ઋતુ, વાવણી/વાવેતરનો સમય	વાવણીનો સમય ઉત્પાદન ક્ષેત્ર પ્રમાણે બદલાય છે. શિયાળામાં વરસાદ પડતા વિસ્તારોમાં, ઓગસ્ટથી માર્ચના અંત સુધી અને ઠંડી ઉનાળાવાળા વિસ્તારોમાં ઓગસ્ટના અંતથી માર્ચના મધ્ય સુધી બીજ વાવી શકાય છે.					
4	બીજ દર. વાવણી/વાવેતર પદ્ધતિ.	સામાન્ય બીજ દર 2-4 કિગ્રા/એકર					
5	મુખ્ય ખેતરની તૈયારી અને વાવેતર	ઠંડા તોડવા માટે 15 થી 20 સેમી ઊંડે ખેડવા કરીને બીજનો કચરો સારી રીતે તૈયાર કરવો જોઈએ. માટી પણ શક્ય તેટલી સખત હોવી જોઈએ, સારી નાની ટુકડો બટકું માળખું અને પૂરતો ભેજ હોવો જોઈએ.					
6	અંતર	વાવણીની ઊંડાઈ લગભગ 1 ઇંચ, અને હરોળ વચ્ચે 30-40 સેમી અને છોડ વચ્ચે 20 સેમીનું અંતર					
	વાવણી પહેલાં બીજ માવજત	અંકુરણ ઝડપી બનાવવા માટે બીજ રોપતા પહેલા 12 કલાક પાણીમાં પલાળી રાખો. વૈકલ્પિક રીતે બીજને શિરામ અથવા કેપ્ટન સાથે 2 ગ્રામ પ્રતિ કિલો બીજના દરે પ્રક્રિયા કરી શકાય છે.					
8	ખાતર અને ખાતરો	નાઇટ્રોજનની ભૂમિકા ખૂબ જ મહત્વપૂર્ણ છે. 120-160 કિગ્રા/એકર યુનાનો પાચર, એમોનિયમ નાઇટ્રેટ અથવા એમોનિયમ સલ્ફેટ, જમીનના પૃથ્થકરણના આધારે, વધતી મોસમ દરમિયાન 2 અથવા 3 ડુંભિંગમાં લાગુ કરવામાં આવે છે. લગભગ 60 કિગ્રા/એકર નાઇટ્રોજન સામાન્ય રીતે વાવેતર સમયે અને બાકીનો જ્યારે છોડ લગભગ 10 થી 15 સે.મી.ની ઉંચાઈ હોય ત્યારે લાગુ પડે છે. કુલ 200-240 કિગ્રા/એકર સુપરફોસ્ફેટ અને 80-120 કિગ્રા/એકર પોટેશિયમ ક્લોરાઇડ વાવણી કરતા પહેલા લાગુ કરવામાં આવે છે. એ નોંધવું જોઈએ કે આ સામાન્ય ભલામણો છે અને ખાતરોની વાસ્તવિક માત્રા જમીનના વિશ્લેષણ પર આધારિત હોવી જોઈએ.					
9	સિંચાઈ સમયપત્રક	ખાતરીને ક્યારેય સૂકી ન થવા દેવી જોઈએ અને તેને 20 થી 25 સે.મી.ની ઊંડાઈ સુધી ભેજવાળી રાખવી જોઈએ. જ્યાં સુધી નાના રોપાઓ ન આવે ત્યાં સુધી છોડને દરરોજ હળવા પાણીનો ઉપયોગ મળવો જોઈએ.					
11	નીંદણ/આંતર-ખેતી	બીટના રોપાઓ સાથે સ્પર્ધા કરી શકે અને તેમની વૃદ્ધિમાં દખલ કરે તે પહેલાં નીંદણને નિયંત્રિત કરવું આવશ્યક છે. મૂળને નુકસાન ન થાય તે માટે પંક્તિઓ વચ્ચેના તમામ નીંદણને હાથથી દૂર કરવું આવશ્યક છે. રાસાયણિક નીંદણ નિયંત્રણનો ઉપયોગ ઉત્પાદન દ્વારા નિર્દિષ્ટ માર્ગદર્શિકાને અનુસરીને પણ કરી શકાય છે.					
12	સૂક્ષ્મ પોષકતત્વો/વૃદ્ધિ નિયમનકાર સ્પ્રે	બીટની ખેતીમાં બોરોન, મેંગેનીઝ અને આયર્ન એ ત્રણ મુખ્ય સૂક્ષ્મ પોષકતત્વો છે. જમીનના પૃથ્થકરણના આધારે, જો આ પોષક તત્વોની ઉણપ હોય, તો આ પોષક તત્વો પૂરા પાડવા માટે કાળજી લેવી જરૂરી છે.					
13	જીવાત અને રોગ નિયંત્રણ	મોલો મચ્છર: ફ્લોનીક્રાપિડ 50% WG (0.5 ગ્રામ/લિટર) લાલ કરોળિયો: ફેનાઝાક્લિન 10% (0.4 મિલી/લિટર) + બાયકેન્જિન 10% EC (0.5 થી 1 મિલી/લિટર) મર્કેપ્તોરા પાંદડાના દવાકા: મેન્કોટેબ 75% WP (2-2.5 ગ્રામ પ્રતિ લિટર); પાકની ફેરબદલીની ખૂબ ભલામણ કરવામાં આવે છે. તરબોડ: ટેમ્બુનાએલ 50% + ટાઇકોલોક્સીફોનિન 25% WG (0.5 થી 1 ગ્રામ પ્રતિ લિટર) ફેમિંગ-ઓક: કેપ્ટન 75% WS (1.5 થી 2 ગ્રામ પ્રતિ લિટર) હદયનો સડો: બીટરૂટમાં હદયનો સડો મોટે ભાગે બોરોનની ઉણપને કારણે થાય છે, અને તેથી પૂરતા પ્રમાણમાં બોરોન જાળવવું મહત્વપૂર્ણ છે. ઉણપના લક્ષણોને નિયંત્રિત કરવા માટે મધ્ય ઋતુ દરમિયાન 0.2% બોરિક એસિડ દ્રાવણનો છંટકાવ પાંદડા પર બે વાર કરી શકાય છે.					
14	લણણી	100-115 DAS પર પાક લણણી માટે તૈયાર થાય છે.					
15	અપેક્ષિત ઉપજ	આદર્શ પરિસ્થિતિઓમાં સારી રીતે સંચાલિત પાકમાંથી 8-10 ટન ઉપજ મળે છે.					
16	સંગ્રહ	બીટના શેલ્ડ લાઇફને મહત્તમ બનાવવા માટે, તેમને ઠંડી, અંધારાવાળી જગ્યાએ ઉચ્ચ ભેજવાળી જગ્યાએ સંગ્રહિત કરો, આદર્શ રીતે 2 થી 5 ડિગ્રી સેલ્સિયસ (35.6 થી 41 ડિગ્રી ફેરનહીટ) વચ્ચે.					
17	ના કરો	વધુ પડતું સિંચાઈ ન કરો, અને છાયામાં વાવો નહીં.					
18	થું કરવું	યોગ્ય સૂર્યપ્રકાશ અને પર્યાપ્ત સિંચાઈ, સંતુલિત ખાતર, સારી હવાનું પરિભ્રમણ અને સારી લણણી					
નોંધ	ઉપરોક્ત માહિતી એક સામાન્ય સલાહ છે. ચોક્કસ પ્રદેશ સંબંધિત ચોક્કસ ભલામણો માટે, કૃપા કરીને તમારા સ્થાનિક રાજ્ય કૃષિ વિભાગનો સંપર્ક કરો.						
સાવચેતીનાં પગલાં	પાકની વૃદ્ધિ અને ઉપજ વિવિધ પરિબલોથી પ્રભાવિત થઈ શકે છે. તેથી, સલાહ માટે તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીનો સંપર્ક કરવાની ભલામણ કરવામાં આવે છે. ખાતરી કરો કે ફક્ત ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા ખાતરો અને જનુનાશકોનો ઉપયોગ થાય છે. બીજ, ખાતર અને જનુનાશકોની ખરીદીના બિલ સાચવી રાખો.						



बीटस्ट - पीक व्यवस्थापन पद्धती

अभिनेंदन! तुम्ही क्रिस्टल कुटुंबातील सर्वोत्तम बीटस्ट विद्याप्यांपैकी एक विद्यापे निवडले आहे. क्रिस्टलला उच्च दर्जाचे बीटस्ट विद्यापे तयार करण्याचा चांगला अनुभव आहे. विविध कृषी हवामानासाठी योग्य उच्च-उत्पादन देणारी संकरित पिके विकसित करण्याच्या उद्देशाने केलेल्या व्यापक संशोधनाचे परिणाम म्हणजेच हे विद्यापे. शेतकऱ्यांना उच्च दर्जाचे विद्यापे मिळावे यासाठी क्रिस्टल नेहमीच विद्याप्यांच्या उत्पादना दरम्यान नवीनतम तंत्रज्ञानाचा अवलंब करते. क्रिस्टलच्या बीटस्ट विद्याप्यांमुळे, जैविक आणि अजैविक ताण सहन करण्याच्या शक्तीसह पिके जोमाने उगवतात आणि वाढतात. उष्कट उत्पादन मिळविण्यासाठी कृष्या सर्वोत्तम शक्ती पद्धतीचा अवलंब करा. चावी सामान्य शिफारसी दिल्या आहेत, त्यामुळे कोणताही निर्णय घेण्यापूर्वी आम्ही तुम्हाला या शिफारसी वाचण्याची विनंती करतो.

बीटस्ट ह्याग्रिड	हीरो, ह्याग्रिड, त्रिवेद, सिद्ध, सिद्ध २००								
कालावधी	100-115 दिवसांनी								
झरीप	होय (थंड ठिकाणी)								
रन्वी	होय								
वसंत ऋतू	होय								
मिठनावा खोल	बांधलेला/ काढला								

कृष्या नोंद घ्या की, हवामानाच्या परिस्थितीनुसार पिकाची वाढ आणि परिपक्वता वेगवेगळी असू शकते.

क्र. क्र.	उपस्थिती/कायदा/प्रत्यक्ष कृती	कार्येचे उपस्थिती. प्रति एकर उत्पादन
1	क्षेत्राची योग्यता/ कृषी-हवामान क्षेत्र	तापमान: बीट हे थंड हवामानातील पिक आहे जे काटक असते आणि काही प्रमाणात थंडी सहन करते. वसंत ऋतू आणि शरद ऋतूमध्ये ते चांगले वाढते. बीट विद्यापे 18 ते 30° सेल्सियस तापमानात मातीच्या तापमानात अंकुरते, ज्यासाठी इष्टतम तापमान 18 ते 24 ° सेल्सियस असते.
2	जमीन/माती	बीट हे खोल आणि चांगला निचा टोपाच, मीसरा, विकस्यमाती ते वाटण्या जमिनीत चांगले वाढते. बीटसाठी 5.8 ते 7.0 मातीचा वायू (pH) उच्च असणे चांगले 7.6 मीसरा वायू (pH) केलीत घटन करू शकतो.
3	हंगाम, पेरणी/लागवडीची वेळ	उत्पादन क्षेत्रानुसार पेरणीचा काळ वेगवेगळा असतो. हिवाळ्यातील पावसाळी भागात, ऑगस्ट ते मार्च अखेर आणि थंड उन्हाळा असलेल्या भागात ऑगस्ट अखेर ते मार्चच्या मध्यापर्यंत विद्यापे पेरता येते.
4	विद्याप्यांचा दर पेरणी/लागवडीची पद्धत	साधारणपणे विद्याप्यांचे प्रमाण प्रति एकरी 2-4 किलो
5	मुख्य शेताची तयारी आणि लागवड	मातीचे डेकड कोडण्यासाठी 15 ते 20 सेमी खोल नांगरणी करून वीजन चांगले तयार करावे. माती शक्य तितकी समतल असावी, चांगली कणीदार असावी आणि पुरेसा ओलावा असावा.
6	अंतर	पेरणीची खोली सुमारे 1 इंच असावी आणि वाऱ्यामध्ये 30-40 सेमी आणि रोपामध्ये 20 सेमी अंतर ठेवावे.
7	पेरणीपूर्वी विद्याप्यांवर प्रक्रिया	पीक लवकर उपचवण्यासाठी लागवडीपूर्वी विद्यापे 12 तास पाण्यात भिजवा. पर्वोधी पद्धतीने विद्याप्यांवर थायरम किंवा कॅन्टन 2 ग्रॅम प्रति किलो विद्याप्यांवर प्रक्रिया करता येते.
8	संश्लेषण पदार्थ आणि खते	नायट्रोजनची भूमिका बूप महत्वाची आहे. मातीच्या विश्लेषणानुसार, 120-160 किलो/एकर चुनखडी, अमोनियम नाइट्रेट किंवा अमोनियम सल्फेट हे वाढीच्या हंगामात 2 किंवा 3 वेळा जमिनीत मिसळले जातात. साधारणपणे लागवडीच्या वेळी सुमारे 60 किलो/एकर नायट्रोजन दिले जाते आणि उर्वरित प्रमाण हे रोपे 10 ते 15 सेमी उंच वाढ झाल्यावर दिले जाते. पेरणीपूर्वी एकूण 200-240 किलो/एकर सुपरफॉस्फेट आणि 80-120 किलो/एकर पोटॅशियम क्लोराईड द्यावे. हे लक्षात घ्यायला हवे की या सामान्य शिफारसी आहेत आणि घतांचे प्रत्यक्ष प्रमाण माती विश्लेषणावर आधारित असले पाहिजे.
9	पेरणीपूर्वी विद्यापे प्रक्रिया	माती कधीही कोरडी होऊ देऊ नका आणि ती 20 ते 25 सेमी खोलीपर्यंत ओलसर ठेवावी. जोपर्यंत रोपे कोवळी आहेत तोपर्यंत रोपाना दररोज थोडेसे पाणी घाला.
11	धुरपणी/आंतरमशागत	बीट पिकांमध्ये तण वाढून पिकाच्या वाढीस अडथळा येऊ शकतो, तत्पूर्वीच धुरपणी करून तणांचे निव्वण करणे आवश्यक आहे. मुळाना देना होऊ नये म्हणून वाऱ्यातील सर्व तण हाताने काढून टाकावेत. उत्पादकांना निर्दिष्ट केलेल्या मार्गदर्शक तत्वांचे पालन करून रासायनिक तण निव्वण देखील वापरले जाऊ शकते.
12	सूक्ष्म पोषक घटक/वाड नियामक फवारण्या	बीट लागवडीत बोरॉन, मॅंगनीज आणि लोह हे तीन महत्वाचे सूक्ष्म पोषक घटक आहेत. माती विश्लेषणाच्या आधारे, जर या पोषक तत्वांची कमतरता असेल तर हे पोषक तत्वे पुरकण्यासाठी काळजी घेतली पाहिजे.
13	कीटक आणि रोग निव्वण	मावा कीटक: फ्लोनिक्झिमिड 50% भाआ (0.5 ग्रॅम/लिट्र) बाल कोळी: फेनाझॉक्सिन 10% (0.4 मिनी/लिट्र) + बायफेन्थ्रिन 10% EC (0.5 ते 1 मिनी/लिट्र) सार्कोसपोरा टिपिक: मॅन्कोझेब 75% WP (2-2.5 ग्रॅम प्रति लिटर); रोटेथ्रान पद्धतीने पीक शेण्याची शिफारस केली जाते. तंतू-सुरी बुरग्या: टेबुकोनाझोल 50% + ट्रायफ्लोक्झिमीस्ट्रॉबिन 25% भा.आ. 0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) ओल्या रोग: कॅन्टन 75% WS (1.5 ते 2 ग्रॅम प्रति लिटर) बोडकूज : बीटमधील बोडकूज हा मुख्यतः बोरॉनच्या कमतरतेमुळे होतो आणि म्हणूनच पुरेशा बोरॉनची देवभाल करणे महत्वाचे आहे. कमतरतेची लक्षणे निव्वणित करण्यासाठी हंगामाच्या मध्यात 0.2% बोरिक अॅसिड द्रावण पानांवर दोनदा फवारवावे.
14	कापणी	100-115 दिवसांच्या कालावधीत पीक कापणीसाठी तयार होते
15	अपेक्षित उत्पन्न	आदर्श परिस्थितीत, चांगल्या प्रकारे व्यवस्थापित केलेल्या पिकाचे 8-10 टन उत्पादन मिळते.
16	साठवणूक	बीट दीर्घकाळ टिकण्यासाठी, ते थंड, काळोख असणाऱ्या, जास्त आर्द्रतेने भरलेल्या जागेत साठवा, जिथे आर्द्रता जास्त असेल आणि तापमान 2 ते 5 अंश सेल्सियस (35.6 ते 41 अंश फॅरेनहाइट) दरम्यान असेल.
17	करू नका	जास्त पाणी देऊ नये आणि सावलीत लागवड करू नये.
18	करा	योग्य सूक्ष्मपोषक आणि पुरेसे सिंचन, संतुलित खते, हवा चांगली घेऊनी असावी आणि सावकाश कापणी

नोंद वरील माहिती मूळ सामान्य सल्ले दिले आहेत. विशिष्ट प्रदेशाची संबंधित विशिष्ट शिफारसीसाठी कृष्या तुमच्या स्थानिक राज्य कृषी विभागाशी संपर्क साधा.

शेण्याची काळजी पिकांच्या वाढीवर आणि उत्पन्नावर विविध घटक परिणाम करू शकतात. म्हणून, तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घेण्याची शिफारस केली जाते. केवळ उच्च दर्जाची खते आणि कीटकनाशके वापरली जात आहेत याची खात्री करा. विद्यापे, खते आणि कीटकनाशके खरेदी करताना बिल वाळवा.



ಬೀಟ್‌ರೋಟ್ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳು

ಅಭಿವೃದ್ಧಿಗಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಕೃಷಿ ಕುಟುಂಬದ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಬೀಟ್‌ರೋಟ್ ಬೀಜಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದನ್ನು ಆರಿಸಿ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬೀಟ್‌ರೋಟ್ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸುವಲ್ಲಿ ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಗಣನೀಯ ಅನುಭವವನ್ನು ಹೊಂದಿದೆ. ಈ ಬೀಜಗಳು ವ್ಯಾಪಕವಾದ ಸಂರೋಧನೆಯ ಫಲಿತಾಂಶವಾಗಿದ್ದು, ವಿವಿಧ ಕೃಷಿ ಹವಾಮಾನಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ಹೆಚ್ಚಿನ ಇಳುವರಿ ನೀಡುವ ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ. ರೈತರಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬೀಜಗಳು ದೊರೆಯುವುದನ್ನು ಖಾತ್ರಿಪಡಿಸಲು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಬೀಜ ಉತ್ಪಾದನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಇತ್ತೀಚಿನ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡಿದೆ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಬೀಟ್‌ರೋಟ್ ಬೀಜಗಳು ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುವಿಕೆ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಜೈವಿಕವಸ್ತು ಒದಗಿಸುತ್ತವೆ ಜೊತೆಗೆ ಜೈವಿಕ ಮತ್ತು ಅಜೈವಿಕ ಒತ್ತಡಗಳಿಗೆ ಸಹನೆಯನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ. ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಇಳುವರಿ ಪಡೆಯಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಉತ್ತಮ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಈ ಕೆಳಗಿನ ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಫಾರಸುಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲಾಗಿದೆ, ಆದ್ದರಿಂದ ಯಾವುದೇ ನಿರ್ಧಾರಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಮೊದಲು ಈ ಶಿಫಾರಸುಗಳನ್ನು ಓದಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳಿ.

ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಬೀಟ್‌ರೋಟ್	ಹೀರೋ, ಹೈಬ್ರಿಡ್, ಬ್ಲಿಂಡ್, ಸಿಂಧು, ಸಿಂಧು ೨೦೦										
ಆವಧಿ	100-115 ದಿನಗಳು										
ಮುಂಗಾರು	ಹೌದು (ತಂಪಾದ ಸ್ಥಳಗಳಲ್ಲಿ..)										
ಹಿಂಗಾರು	ಹೌದು										
ವಸಂತ	ಹೌದು										
ನೀಲಾವರಿ ಪದ್ಧತಿ	ಬೋರ್‌ವಲ್ / ಕಾಲುವೆ										

ದಯವಿಟ್ಟು ಗಮನಿಸಿ: ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಪಕ್ವತೆ ವಿಭಿನ್ನವಾಗಿರಬಹುದು

ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ	ವಿವರಗಳು / ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಗಳು/ಪದ್ಧತಿ	ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಯ ವಿವರಗಳು / ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ಒಳಪಡಿಸುವು
1	ಪ್ರದೇಶದ ಸೂಕ್ತ/ ಕೃಷಿ-ಹವಾಮಾನ ವಲಯ	ತಾಪಮಾನ: ಬೀಟ್‌ರೋಟ್ ತಂಪಾದ-ಹವಾಮಾನದ ಬೆಳೆಯಾಗಿದ್ದು ಇದು ಗಟ್ಟಿಮುಟ್ಟಾಗಿದೆ ಮತ್ತು ಸ್ವಲ್ಪ ಫೋಸಫೋರನ್ನು ಸಹಿಸಿಕೊಳ್ಳುತ್ತದೆ. ಇದು ವಸಂತ ಮತ್ತು ಶರತ್ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಉತ್ತಮವಾಗಿ ಬೆಳೆಯುತ್ತದೆ. ಬೀಟ್‌ರೋಟ್ ಬೀಜಗಳು 4.5 ರಿಂದ 30°C ಮಣ್ಣಿನ ತಾಪಮಾನದಲ್ಲಿ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುತ್ತವೆ, ಅತ್ಯುತ್ತಮವಾದದ್ದು 18 ರಿಂದ 24°C ಆಗಿದೆ. ಇದು ವಸಂತ ಮತ್ತು ಶರತ್ಕಾಲದಲ್ಲಿ ಉತ್ತಮವಾಗಿ ಬೆಳೆಯುತ್ತದೆ. ಬೀಟ್‌ರೋಟ್ ಬೀಜಗಳು 4.5 ರಿಂದ 30°C ಮಣ್ಣಿನ ತಾಪಮಾನದಲ್ಲಿ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುತ್ತವೆ, ಆದರಲ್ಲಿ ಸೂಕ್ತವಾದದ್ದು 18 ರಿಂದ 24°C ಆಗಿದೆ.
2	ಭೂಮಿ / ಮಣ್ಣು	ಬೀಟ್‌ರೋಟ್ ಆಳವಾದ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮವಾಗಿ ಬಿಡುವ ಹೋಗುವ, ಸಡಿಲವಾದ, ಲೋಮಿನಿಂದ ಮರಳಿನಂತಹ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಉತ್ತಮವಾಗಿ ಬೆಳೆಯುತ್ತದೆ. ಬೀಟ್‌ರೋಟ್ 5.8 ರಿಂದ 7.0 ರ ಮಣ್ಣಿನ pH ಅನ್ನು ಆದ್ಯತೆ ನೀಡುತ್ತದೆ, ಆದರೆ 7.6 ವರೆಗಿನ pH ಅನ್ನು ಸಹಿಸಿಕೊಳ್ಳಬಲ್ಲದು.
3	ಋತು, ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ಸಮಯ	ಬಿತ್ತನೆಯ ಸಮಯಗಳು ಉತ್ಪಾದನಾ ಪ್ರದೇಶಗಳಿಂದ ಭಿನ್ನವಾಗಿರುತ್ತವೆ. ಚಳಿಗಾಲದ ಮಳೆ ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ, ಬೀಜವನ್ನು ಆಗಸ್ಟಿನಿಂದ ಮಾರ್ಚ್ ಅಂತ್ಯದವರೆಗೆ ಬಿತ್ತಬಹುದು ಮತ್ತು ತಂಪಾದ ಬೆಳಿಗ್ಗೆಯ ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ ಆಗಸ್ಟ್ ಅಂತ್ಯದಿಂದ ಮಾರ್ಚ್ ಮಧ್ಯದವರೆಗೆ ಬಿತ್ತಬಹುದು.
4	ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ, ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ವಿಧಾನ.	ಸಾಮಾನ್ಯ ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ 2-4 ಕೆಜಿ / ಎಕರೆ
5	ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ತಯಾರು ಮಾಡುವುದು ಮತ್ತು ನಾಟಿ	ಮಣ್ಣಿನ ಹೆಚ್ಚಿನ ಭಾಗವನ್ನು ಒಡೆಯಲು ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡಿಯನ್ನು 15 ರಿಂದ 20 ಸೆ.ಮೀ ಆಳವಾಗಿ ಉಳುಮೆ ಮಾಡಿ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಸಿದ್ಧಪಡಿಸಬೇಕು. ಮಣ್ಣು ಸಾಧ್ಯವಾದಷ್ಟು ಸಮತಟ್ಟಾಗಿರಬೇಕು, ಉತ್ತಮ ಕಣ ರಚನೆಯನ್ನು ಹೊಂದಿರಬೇಕು ಮತ್ತು ಸಾಕಷ್ಟು ತೇವಾಂಶವನ್ನು ಹೊಂದಿರಬೇಕು.
6	ಆಂತರ	ಸುಮಾರು 1 ಇಂಚು ಬಿತ್ತನೆಯ ಆಳ, ಮತ್ತು ಸಾಲುಗಳ ನಡುವೆ 30-40 ಸೆ.ಮೀ ಮತ್ತು ಗಿಡಗಳ ನಡುವೆ 20 ಸೆ.ಮೀ ಆಂತರ
7	ಬಿತ್ತನೆಯ ಮೊದಲು ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ	ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುವಿಕೆಯನ್ನು ವೇಗಗೊಳಿಸಲು ನಡುವೆ ಮೊದಲು ಬೀಜಗಳನ್ನು 12 ಗಂಟೆಗಳ ಕಾಲ ನೀರಿನಲ್ಲಿ ನೆನೆಸಿ, ತಯಾರಾಗುವ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಫೈರಾಮ್ ಅಥವಾ ಕ್ಯಾಪ್ಸೂಲ್‌ನೊಂದಿಗೆ ಪ್ರತಿ ಕೆಜಿ ಬೀಜಕ್ಕೆ 2 ಗ್ರಾಂ ದರದಲ್ಲಿ ಸಂಸ್ಕರಿಸಬಹುದು.
8	ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು	ಸಾರಜನಕದ ಪಾತ್ರವು ಬಹಳ ಮುಖ್ಯವಾಗಿದೆ. ಮಣ್ಣಿನ ವಿಶ್ಲೇಷಣೆಯನ್ನು ಆವಲಂಬಿಸಿ, 120-160 ಕೆಜಿ/ಎಕರೆ ಸಂಸ್ಕರಿಸಿದ ಕಲ್ಲು, ಅಮೋನಿಯಂ ನೈಟ್ರೇಟ್ ಅಥವಾ ಅಮೋನಿಯಂ ಸಲ್ಫೇಟ್ ಅನ್ನು ಬೆಳವಣಿಗೆಯ ಆವಧಿಯಲ್ಲಿ 2 ಅಥವಾ 3 ಬಾರಿ ಹಾಕಬೇಕು. ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಸುಮಾರು 60 ಕೆಜಿ/ಎಕರೆ ಸಾರಜನಕವನ್ನು ನಡುವೆ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಹಾಕಲಾಗುತ್ತದೆ ಮತ್ತು ಗಿಡಗಳು ಸುಮಾರು 10 ರಿಂದ 15 ಸೆ.ಮೀ ಎತ್ತರವಾದಾಗ ಉಳಿದದ್ದನ್ನು ಹಾಕಲಾಗುತ್ತದೆ. ಒಟ್ಟು 200-240 ಕೆಜಿ/ಎಕರೆ ಸೂಪರ್ ಫಾಸ್ಫೇಟ್ ಮತ್ತು 80-120 ಕೆಜಿ/ಎಕರೆ ಪೊಟ್ಯಾಷಿಯಂ ಕ್ಲೋರೈಡ್ ಅನ್ನು ಬಿತ್ತನೆಯ ಸ್ವಲ್ಪ ಮೊದಲು ಹಾಕಲಾಗುತ್ತದೆ. ಇವು ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಫಾರಸುಗಳು ಮತ್ತು ಗೊಬ್ಬರಗಳ ನಿಜವಾದ ಪ್ರಮಾಣವು ಮಣ್ಣಿನ ವಿಶ್ಲೇಷಣೆಯ ಮೇಲೆ ಆಧಾರಿತವಾಗಿರಬೇಕು ಎಂಬುದನ್ನು ಗಮನಿಸಬೇಕು.
9	ನೀಲಾವರಿ ವೇಳಾಪಟ್ಟಿ	ಮಣ್ಣು ಏರಿಗೋ ಬೀಜಗಳು ಬಿಡಬಾರದು ಮತ್ತು ಅದನ್ನು 20 ರಿಂದ 25 ಸೆ.ಮೀ ಆಳದವರೆಗೆ ತೇವಾಂಶದಿಂದ ಕೂಡಿರುವಂತೆ ಇಡಬೇಕು. ಎಳೆಯ ಮೊಳಕೆಗಳು ಬರುವವರೆಗೆ ನಡುವಿಕೆಗೆ ಪ್ರತಿದಿನ ಕಡಿಮೆ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ನೀರು ಹಾಕಬೇಕು.
11	ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವಿಕೆ/ ಆಂತರ-ಬೀಜಾಯ	ಕಳೆಗಳು ಬೀಜ ಮೊಳಕೆಗಳೊಂದಿಗೆ ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಮಾಡುವ ಮೊದಲು ಮತ್ತು ಅವುಗಳ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಅಡ್ಡಿಯಾಗುವ ಮೊದಲು ಅವುಗಳನ್ನು ನಿರಂತರವಾಗಿ ಬೀಜಗಳಿಗೆ ಹಾನಿಯಾಗದಂತೆ ಸಾಲುಗಳ ನಡುವೆ ಎಲ್ಲಾ ಕಳೆಗಳನ್ನು ಕೈಯಿಂದ ತೆಗೆದುಹಾಕಬೇಕು. ತಯಾರಕರು ನಿರ್ದಿಷ್ಟಪಡಿಸಿದ ಮಾರ್ಗಸೂಚಿಗಳನ್ನು ಅನುಸರಿಸಿ ರಾಸಾಯನಿಕ ಕಳೆ ನಿಯಂತ್ರಣವನ್ನು ಸಹ ಬಳಸಬಹುದು.
12	ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳು/ಬೆಳವಣಿಗೆ ನಿಯಂತ್ರಕ ಸಿಂಪಡಣೆಗಳು	ಬೋರಾನ್, ಮ್ಯಾಂಗನೀಸ್ ಮತ್ತು ಕಬ್ಬಿಣವು ಬೀಟ್ ಕೃಷಿಯಲ್ಲಿ ಮುಖ್ಯವಾದ ಮೂರು ಪ್ರಮುಖ ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳಾಗಿವೆ. ಮಣ್ಣಿನ ವಿಶ್ಲೇಷಣೆಯ ಆಧಾರದ ಮೇಲೆ, ಈ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳ ಕೊರತೆಯಿದ್ದರೆ, ಈ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲು ಕಾಳಜಿ ವಹಿಸಬೇಕು.
13	ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣ	ಗಿಡವೇನು: ಫ್ಲೋನಿಟಾಮಿಡ್ 50% WG (0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಕೆಂಪು ಜೇಡ: ಫೆನಾಕ್ಸಿಪ್ರೋ 10% (0.4 ಮಿ.ಲೀ/ಲೀಟರ್) + ಬೈಫೆನಾಫ್ರಿನ್ 10% EC (0.5 ರಿಂದ 1 ಮಿ.ಲೀ/ಲೀಟರ್) ಸರ್ಕೋಸ್ಟೋಲಾ ಎಲೆ ಬುಕ್ಟೆ: ಮ್ಯಾಂಕೋಜಿಬ್ 75% WP (ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್ 2-2.5 ಗ್ರಾಂ); ಬೆಳೆ ಪಲ್ಲಟವನ್ನು ಹೆಚ್ಚು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗಿದೆ ಡೌನಿ ಶಿಲಿಂಥ್: ಟಿಯೋನಿಜೋಲ್ 50% + ಟ್ರಿಫಾಸಿಪ್ರೋಲಿನ್ 25% WG (0.5 ರಿಂದ 1 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಡ್ಯಾಂಪಿಂಗ್-ಆಫ್: ಕ್ಯಾಪ್ಸೂನ್ 75% WS (1.5 ರಿಂದ 2 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಹಾರ್ಟ್ ರಾಟ್: ಬೀಟ್‌ರೋಟ್‌ಗಳಲ್ಲಿ ಹಾರ್ಟ್ ರಾಟ್ ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ಬೋರಾನ್ ಕೊರತೆಯಿಂದ ಉಂಟಾಗುತ್ತದೆ, ಮತ್ತು ಅದರಿಂದ ಸಾಕಷ್ಟು ಬೋರಾನ್ ಅನ್ನು ನಿರ್ವಹಿಸುವುದು ಮುಖ್ಯವಾಗಿದೆ. ಕೊರತೆಯ ಅಕ್ಷಿಣಗಳನ್ನು ನಿರಂತರವಾಗಿ ಮಧ್ಯ-ಋತುವಿನಲ್ಲಿ ಎರಡು ಬಾರಿ 0.2% ಬೋರಾಟ್ ಅಥವಾ ಡ್ರಾಫಿನವನ್ನು ಎಲೆಗಳ ಮೇಲೆ ಸಿಂಪಡಿಸಬಹುದು.
14	ಕೊಯ್ಯು	ಬೆಳೆಯು 100-115 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಕೊಯ್ಯಿಗ ಸಿದ್ಧವಾಗುತ್ತದೆ
15	ನಿರೀಕ್ಷಿತ ಇಳುವರಿ	ಆದರ್ಶ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳಲ್ಲಿ, ಚೆನ್ನಾಗಿ ನಿರ್ವಹಿಸಿದ ಬೆಳೆಯಿಂದ 8-10 ಟನ್ ಇಳುವರಿ ಸಿಗುತ್ತದೆ.
16	ಶೇಖರಣೆ	ಬೀಟ್‌ಗಳ ರೆಲ್ಯಾಟ್ ಅನ್ನು ಹೆಚ್ಚಿಸಲು, ಅವುಗಳನ್ನು ತಂಪಾದ, ಕತ್ತಲೆಯಾದ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಹೆಚ್ಚಿನ ತೇವಾಂಶದೊಂದಿಗೆ ಸಂಗ್ರಹಿಸಿ, ಆದರ್ಶವಾಗಿ 2 ರಿಂದ 5 ಡಿಗ್ರಿ ಸೆಲ್ಸಿಯಸ್ (35.6 ರಿಂದ 41 ಡಿಗ್ರಿ ಫ್ಯಾರನ್‌ಹೀಟ್) ನಡುವೆ ಇಡಬೇಕು.
17	ಮಾಡಬೇಡಿ	ಅತಿಯಾಗಿ ನೀಲಾವರಿ ಮಾಡಬೇಡಿ, ಮತ್ತು ನೆರಳಿನಲ್ಲಿ ನಡಬೇಡಿ.
18	ಮಾಡಬೇಕಾದವು	ಸರಿಯಾದ ಸೂರ್ಯನ ಬೆಳಕು ಮತ್ತು ಸಾಕಷ್ಟು ನೀಲಾವರಿ, ಸಮತೋಲಿತ ಗೊಬ್ಬರ, ಉತ್ತಮ ಗಾಳಿ ಪರಿಚಲನೆ ಮತ್ತು ಮೃದುವಾದ ಕೊಯ್ಯು.

ಸೂಚನೆ ಮೇಲಿನ ಮಾಹಿತಿಯು ಸಾಮಾನ್ಯ ಸಲಹೆಯಾಗಿದೆ. ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ವಿಶೇಷ ಶಿಫಾರಸುಗಳಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ರಾಜ್ಯ ಕೃಷಿ ಇಲಾಖೆಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.

ಎಚ್ಚರಿಕೆಗಳು ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಇಳುವರಿಯು ವಿವಿಧ ಅಂಶಗಳಿಂದ ಪ್ರಭಾವಿತವಾಗಿರುತ್ತದೆ. ಆದ್ದರಿಂದ, ಸಲಹೆಗಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳನ್ನು ಮಾತ್ರ ಬಳಸಲಾಗಿದೆ ಎಂದು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಬೀಜಗಳು, ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ವಿವರಿಯು ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.



బీట్ రూట్ లో పాటింపవలసిన ఆచరణల పాకెజి

శుభాకంక్షలు! క్రిస్టల్ కుటుంబము యొక్క అత్యంత ఉత్తమమైన బీట్ రూట్ విత్తనాల్ని ఒకదానిని మీరు ఎంచుకున్నారు. ఉత్తమ-నాణ్యత కలిగిన బీట్ రూట్ విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేయడములో క్రిస్టల్ కి చాలా అనుభవము వుంది. ఈ విత్తనాలు విస్తారముగా చేసిన పరిశోధన యొక్క ఫలితము, వీటిని వివిధ వ్యవసాయ వాతావరణాలకి అనుకూలముగా అధిక-దిగుబడి ఇవ్వడమనే ఉద్దేశ్యముతో రూపొందించడము జరిగినది. రైతులకు అత్యధిక నాణ్యత కలిగిన విత్తనాలను అందించడానికి విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేసే సమయములో క్రిస్టల్ అత్యధునిక టెక్నాలజీలను పాటిస్తుంది. క్రిస్టల్ బీట్ రూట్ విత్తనాలు బయోటిక్ & ఎబయోటిక్ వత్తిడికి తట్టుకునే సామర్థ్యముతో అద్భుతమైన మొలకెత్తే తత్వాలను & మెరుగైన బలమును కలిగివుంటాయి. అద్భుతమైన దిగుబడి కొరకు దయచేసి ఉత్తమమైన వ్యవసాయ ఆచరణలను పాటించండి. క్రింద సాధారణ సూచనలు ఇవ్వబడ్డాయి, కాబట్టి ఏవైనా నిర్ణయాలు తీసుకునే ముందు ఈ సూచనలను చదవాలని మేము మిమ్మల్ని అభ్యర్థిస్తున్నాము.

పాటిడ్ బీట్ రూట్	హార్వ్, ట్రెగెడ్, సింధు													
కాలము పరిమితి	100-115 DAS													
ఖరీఫ్	అవును (చల్లని ప్రాంతాలలో)													
రబీ	అవును													
వసంత కాలము	అవును													
నీటి పారుదల వనరు	బోర్ బావి/కాలువ													

దయచేసి గమనించండి వాతావరణ పరిస్థితుల ఆధారముగా పంట ఎదుగుదల & పక్కము కాలము మారవచ్చు

క్ర.సం.	వివరాలు/ఆపరేషన్లు/ఆచరణలు	ఆపరేషన్ వివరాలు, ఎకరానికి ఇస్తుంది
1	ప్రాంతము యొక్క అనుకూలత/వ్యవసాయ-వాతావరణ జోన్	ఉష్ణోగ్రత: బీట్ రూట్ చల్లని-వాతావరణ పంట ఇది బలముగా నిలబడుతుంది మరియు కొంత వరకూ గట్టికట్టే వాతావరణముని తట్టుకుంటుంది. ఇది వసంత కాలము మరియు ఆకురాలు కాలములో బాగా ఎదుగుతుంది. బీట్ రూట్ విత్తనాలు 4.5 నుంచి 30°C మధ్య ఉష్ణోగ్రతలలో మొలకెత్తుతాయి, వీటికి 18 నుంచి 24 °C ఉష్ణోగ్రత ఉత్తమమైనది.
2	భూమి/మట్టి	బాగా లీతుగా వుండేది మరియు నీరు బాగా-ఇంక, వదులుగా వుండే, లిమ్ నుంచి ఇసుకగా వుండే నేలలో బీట్ రూట్ బాగా పండుతుంది. బీట్ రూట్ కి మట్టి pH 5.8 నుంచి 7.0 వరకూ వుండాలి, కానీ ఇది 7.6 pH వరకూ తట్టుకోగలదు.
3	కాలము, విత్తన/నాటే సమయము	ఉత్పత్తి ప్రాంతాలని బట్టి విత్తన సమయము మారుతుంది. శతాకాలములో వాన పడే ప్రాంతాలలో, విత్తనాలను ఆగస్టు నుంచి మార్చి చివరి వరకూ నాటవచ్చు మరియు వేసవిలో చల్లగా వుండే ప్రాంతాలలో ఆగస్టు నుంచి మార్చి మధ్య వరకూ నాటవచ్చు.
4	విత్తనము రేట్, విత్తన/నాటే పద్ధతి	సాధారణ విత్తనము రేట్ 2-4కిలోలు/ఎకరానికి
5	ప్రధానమైన పొలముని తయారు చేయడము మరియు నాటడము	నేలను 15 to 20 cm లీతుగా దున్ని మట్టి వుండలను విడదీసి నీడే బెడ్రీసు బాగా తయారు చేయాలి. మట్టి ఎంత వరకూ సాధ్యమైతే అంత వరకూ ఒకే సమానమైన సమాంతరముగా వుండాలి, మంచి ముక్కల నిర్మాణము మరియు సరిపడిన తేమ కలిగివుండాలి.
6	ఖాళి ఇవ్వడము	నాటే లోతు 1 ఇంచ్, రెండు రోల మధ్య దూరము 30-40cm మరియు మొక్కల మధ్య దూరము 20 cm వుండాలి
7	విత్త ముందు విత్తనముని శుద్ధి చేయడము	మొలకెత్తడముని వేగవంతము చేయడానికి విత్తనాలను నాటే 12 గంటల ముందు నీటిలో నానబెట్టండి. ప్రత్యామ్నాయముగా విత్తనాలను థిరమ్ లేదా కప్టాన్ తో కలిపి విత్తనానికి 2 గ్రాముల లెక్కన శుద్ధి చేయవచ్చు.
8	ఎరువులు మరియు ఫర్టిలైజర్లు	సత్రజని పాత చాలా ముఖ్యమైనది. మట్టి విశ్లేషణను అనుసరించి మొక్కలు ఎదిగే కాలములో ఎకరానికి/120-160 కిలోల సున్నపురాయి, అమోనియమ్ నైట్రేట్ లేదా అమోనియమ్ సల్ఫేట్ ని 2 లేదా 3 డ్రెసింగులు అప్లై చేస్తారు. నాటే కాలములో ఎకరానికి/60 కిలోల సత్రజనిని అప్లై చేస్తారు మరియు మిగిలినది మొక్కలు 10 నుంచి 15 cm ఎత్తుకి పచ్చినప్పుడు అప్లై చేస్తారు. విత్తే సరిగ్గా ముందు ఎకరానికి/200-240 కిలోల సూపర్ ఫాస్ఫేట్ మరియు ఎకరానికి/80-120 కిలోల పొటాషియం క్లోరైడ్ మొత్తము మీద అప్లై చేస్తారు.
9	నీటి పారుదల షెడ్యూల్	మట్టి ఎప్పుడూ పొడిగా అవ్వనివ్వకండి మరియు దానిని 20 నుంచి 25 cm లోతు వరకూ తేమగా వుండేలా చూసుకోండి. విత్తలు నాటిన తరువాత వాటికి లేత మొలకలు వచ్చే వరకూ ప్రతి రోజూ తేలికపాటిగా నీరు అందించండి.
11	కలుపు మొక్కలు తీయడము/అంతర్గత-కల్చివేషన్	బీట్ మొలకల ఎదుగుదలతో కలుపు మొక్కలు పోటికి వచ్చే లోపే వాటిని కంట్రోల్ చేయండి. రోల మధ్యలోని అన్ని కలుపు మొక్కలను చేతితో తొలగించాలి తద్వారా అసలు మొక్కల వేళ్ళకి నష్టము కలుగుకుండా చేయవచ్చు. తయారీదారు అందించిన గైడ్లను పాటించి రసాయన పరముగా కలుపు మొక్కల కంట్రోల్ కూడా చేయవచ్చు.
12	సూక్ష్మసోపకము/ఎదుగుదల రెగ్యులేటర్ (స్పైలు)	బీట్ వ్యవసాయానికి బోరాన్, మాంగనీస్ మరియు ఇనుము అనేవి మూడు ముఖ్యమైన కీలక సూక్ష్మసోపకాలు. మట్టి విశ్లేషణ ఆధారముగా, ఈ సోపకాల లోపము వుంటే, ఈ సోపకాలను అందించడానికి శ్రద్ధ తీసుకోవాలి.
13	చీడ మరియు తెగులు కంట్రోల్	పేను బంక: ఫ్లోనికామిడ్ 50 % WG (లీటరు/0.5 గ్రాములు) ఎర్ర సాటిడు పురుగులు: ఫెనాజిన్ 10% (లీటరు/0.4ml) + బిఫెన్ట్రిన 10% EC (లీటరు/0.5 నుంచి 1 ml) సెర్కోస్పొరా ఆకు మచ్చలు: మాన్కోజెబ్ 75% WP (లీటరుకి 2-2.5 గ్రాములు); పంటల రోపిషన్ చేయాలని ఎక్కువగా సూచిస్తారు డౌనీ బూజు తెగులు: టెబుకునజోల్ 50% + ట్రిఫ్లోక్సిప్రోలిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 గ్రాములు) నారు కుళ్ళు తెగులు: కాప్టాన్ 75% WS (లీటరుకి 1.5 నుంచి 2 గ్రాములు) మొక్కల కాండము మధ్యలో కుళ్ళు తెగులు: బీట్ రూట్ లో మొక్కల మధ్యలో కాండము కుళ్ళుడము అనేది బోరాన్ లోపము వల్ల ఎక్కువగా జరుగుతుంది, కాబట్టి సరిపడిన ప్రమాణములో బోరాన్ మొక్కలకి అందేలా మెయింటెన్ చేయడము కీలకము. పంట మధ్య-కాలములో 0.2% బోరిక్ అమ్లపు ద్రావణము ఆకుల మీద రెండుసార్లు పిచికారి చేయడము ద్వారా లోపపు లక్షణాలను కంట్రోల్ చేయవచ్చు.
14	కోత	పంట 100-115 DAS వద్ద కోతకి సిద్ధముగా వుంటుంది
15	ఆశించే దిగుబడి	సరైన పరిస్థితులలో, పంటను బాగా మేనేజ్ చేస్తే 8-10 టన్నుల దిగుబడి వస్తుంది.
16	ప్లోర్ చేయడము	బీట్ రూట్ల పైల్స్ లైఫ్ గరిష్టము చేయడానికి, వాటిని అధికమైన తేమ కలిగిన చల్లని, చీకటి ప్రదేశములో సరిగ్గా 2 మరియు 5 డిగ్రీల సెల్సియస్ (35.6 నుంచి 41 డిగ్రీల ఫారెన్హైట్) వద్ద ప్లోర్ చేయండి
17	చేయకూడనివి	అధికముగా నీరు పెట్టకండి, మరియు నీడలో మొక్కలను నాటకండి.
18	చేయవలసినవి	సరైన సూర్యరశ్మి మరియు సరైన నీటి పారుదల, సమతుల్యమైన ఫలదీకరణ, మంచిగా గాలి సందారము మరియు మెల్లిగా చేసే కోతలు

గమనిక పైన చెప్పబడిన సమాచారము సాధారణ సలహాలు మాత్రమే. ప్రత్యేక ప్రాంతాలకి సంబంధించిన ప్రత్యేకమైన సూచనల కొరకు, దయచేసి మీ ర్యాజన్ల నాకే వ్యవసాయ శాఖను సంప్రదించండి.

జాగ్రత్తలు పంటల ఎదుగుదల మరియు దిగుబడి పలు కారణాల వలన ప్రభావితము అవుతుంది. కాబట్టి, మి స్థానిక వ్యవసాయ అధికారిని సలహా కొరకు సంప్రదించాలని సూచించడము జరిగింది. కేవలము అధిక-నాణ్యత కలిగిన ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీలకనాశనులు మాత్రమే ఉపయోగించబడ్డాయని ధృవీకరించుకోండి. విత్తనాలు, ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీలకనాశనుల కొనుగోలు బిల్లులను మీ వద్ద వుంచుకోండి.



பீட்டுட் பயிரிடுதலுக்கான வழிகாட்டுதல்கள் மற்றும் தொழில்நுட்பங்கள்									
<p>வாயுத்துகள் கிரீன்புல் (Greens) குடும்பத்தில் இருந்து மிகச் சிறந்த பீட்டுட் விதைகளைத் தேர்வு செய்துள்ளீர்கள். கிரீன்புல் நிறுவனம், உயர் தர பீட்டுட் விதைகள் தயாரிப்பில் சிறந்த அனுபவம் கொண்டுள்ளது. இந்த விதைகள், பரவலான விவசாயக் காலநிலைகளுக்கு பொருத்தம் வகையில், அதிக மகதல் தரும் கலப்பு தாவரங்களை உருவாக்குவதற்கான பரந்த ஆராய்ச்சியின் விளைவு ஆகும். கிரீன்புல், விவசாயிகள் மிக உயர் தரமான விதைகளைப் பெறுவதை உறுதி செய்வதற்காக விதை தயாரிப்பின் போது நவீன தொழில்நுட்பங்களைப் பயன்படுத்துகிறது. கிரீன்புலின் பீட்டுட் விதைகள், உயிரி சார் & உயிரி சாரா நிலைகளின் கீழ் மிகச் சிறந்த முளைத்தல் & சிறந்த வலிமை உடன் தாங்கும் திறன் கொண்டவை.</p> <p>மிகச் சிறந்த மகதலைப் பெற சிறந்த விவசாய நடைமுறைகளை மேற்கொள்ளுங்கள். பின்வரும் பொதுவான பரிந்துரைகள் வழங்கப்பட்டுள்ளது. எனவே ஏதேனும் முடிவுகளை மேற்கொள்ளும் முன் இந்தப் பரிந்துரைகளைப் படிக்குமாறு கேட்டுக்கொள்கிறோம்.</p>									
கலப்பு பீட்டுட்	வரீரோ, Hyb. பிரிசெட், சிந்து, சிந்து 200								
காலம்	100-115 நாட்கள்								
கார்ப்	ஆம் (குளிர்வான இடங்களில்)								
ராபி	ஆம்								
வசந்த காலம்	ஆம்								
பாசன ஆதாரம்	போர்வேல் / கால்வாய்								
வானிலை தழுவல்களைப் பொறுத்து பயிர் வளர்ச்சி & முதிர்ச்சி மாறுபடலாம் என்பதைக் கவனத்தில் கொள்ளுங்கள்									
வ.எண்.	விவரங்கள் / செயல்பாடுகள் / செயமுறை	செயல்முறைக்கான விவரங்கள். ஒரு ஏக்கருக்கான உர உள்ளீடு							
1	பொருத்துகின்ற பரப்பளவு, விவசாய-காலநிலை மண்டலம்	வெப்பநிலை பீட்டுட் என்பது ஒரு குளிர்-வானிலையில் வளரும் கடினமான பயிர் மற்றும் சில உறை குளிர்ந்த தாங்கும் திறன் கொண்டது. வசந்த காலம் மற்றும் இலையுதிர் காலத்தில் நன்கு வளர்கிறது. பீட்டுட் விதைகள் மண் வெப்பநிலைகளை 4.5 முதல் 30°C முளைக்கின்றன. சாதகமான வெப்பநிலை என்பது 18 முதல் 24°C ஆகும்.							
2	நிலம் / மண்	பீட்டுட் ஆழமான மற்றும் நீர் தேங்காத, தளர்வான, பசுமை மண் முதல் மணற்பாங்கான மண்களில் நன்றாக வளரும் தன்மை கொண்டது. பீட்டுட்டுக்கு மண்ணின் pH 5.8 முதல் 7.0 இருந்தால் மிகவும் நல்லது. ஆனால், 7.5 pH வரை தாங்கும் திறன் கொண்டது.							
3	பருவம், விதைத்தல்நாற்று நடுவதற்கான நேரம்	விதைக்கும் நேரங்கள் உற்பத்தி பகுதிகளைப் பொறுத்து மாறுபடலாம். குளிர்கால மழை பகுதிகளில், விதைகளை ஆகஸ்ட் முதல் மார்ச் இறுதி வரை மற்றும் ஆகஸ்ட்-இறுதி முதல் மார்ச் மாதத்தின் நடுப்பகுதி வரை குளிர்வான வெப்பக் காலத்தில் விதைக்கலாம்.							
4	விதை விதிமம், விதைத்தல்நாற்று நடுவ முறை	பொதுவான விதை விதம் ஏக்கருக்கு 2.4 கிலோ							
5	பிந்தான நிலம் மற்றும் நாற்று நடுவதற்கான தயாரிப்பு	விதை படுக்கை மண் கட்டிகளை உடைக்கும் அளவிற்கு 15 முதல் 20 செமீ ஆழத்திற்கு உழுது நன்கு தயாரிக்கப்பட வேண்டும். மண், ஒரு நல்ல துகள் அமைப்பு மற்றும் பொதுமான ஈரப்பதம் இருக்குமாறு சம்பந்தப்பட்ட வேண்டும்.							
6	இடைவெளி	1 அங்குல ஆழம் மற்றும் வரிசைகளுக்கு இடையே 30-40 செமீ மற்றும் தாவரங்களுக்கு இடையே 20 செமீ இடைவெளி இருக்குமாறு விதைகளை நட வேண்டும்							
7	விதைப்பதற்கு முன்பான விதை தயாரிப்பு	முளைத்தலை வேகப்படுத்த நடவு செய்வதற்கு முன் விதைகளை நீரில் 12 மணி நேரம் ஊற வைக்கலாம். வேறு வகையில், ஒரு கிலோ விதைக்கு 2 கிராம் விதம் (Thiram) அல்லது கப்டான் (Captan) உடன் கலக்கவும் செய்யலாம்.							
8	எருக்கள் மற்றும் உரங்கள்	<p>நைட்ரஜனின் பங்கு மிகவும் முக்கியமானது. தாராளம் வளரும் பருவத்தில், மண்ணின் பகுப்பாய்வைப் பொறுத்து, ஏக்கருக்கு 120-160 கிலோ கன்ஸன்டம், அம்மோனியம் நைட்ரேட் அல்லது அம்மோனியம் சல்பேட் உரங்களை 2 அல்லது 3 முறை போட வேண்டும். பொதுவாக, நடவு செய்யும் நேரத்தில் ஏக்கருக்கு 60 கிலோ நைட்ரஜனைப் போட வேண்டும் மற்றும் மீதுமுள்ளவற்றை தாவரங்கள் 10 முதல் 15 செமீ உயரம் வளர்த்த பின் போட வேண்டும். மொத்தமாக, விதைமை விதைக்கும் முன் ஏக்கருக்கு 200-240 கிலோ தூப்பர் பாஸ்பேட் மற்றும் ஏக்கருக்கு 80-120 கிலோ பொட்டாசியம் குளோரைடு போட வேண்டும்.</p> <p>இவை எல்லாம் பொதுவான பரிந்துரைகள் என்பதைக் கவனத்தில் கொள்ள வேண்டும் மற்றும் உண்மையான உரத்தின் அளவுகள் மண் பகுப்பாய்வின் அடிப்படையில் இருக்க வேண்டும்.</p>							
9	பாசன அட்டவணை	மண் உலர்வாக விடக் கூடாது மற்றும் மண்ணை 20 முதல் 25 செமீ ஆழத்திற்கு ஈரப்பதமாக வைத்திட வேண்டும். இளம் தாவரங்கள் முளைக்கும் வரை விதைகளுக்கு அன்றாடம் குறைவான அளவில் நீர் பாசன வேண்டும்.							
11	களை நீக்கம் அடு பயிரிடுதல்	பீட்டுட் விதைகள் மற்றும் அவற்றின் வளர்ச்சியின் களைகள் போட்டி போடுவதற்கு முன் களைகளைக் கட்டுப்படுத்த வேண்டும். வேர்கள் சேதம் அடைவதைத் தவிர்க்க, வரிசைகளுக்கு இடையில் உள்ள அனைத்து களைகளும் கையால் அகற்றப்பட வேண்டும். உற்பத்தியான குறிப்பிட்டுள்ள வழிகாட்டுதல்கள் படி, வேதியல் முறையிலான களை அகற்றலையும் பயன்படுத்தலாம்.							
12	புள்ளி அட்டச்சத்துவளர்ச்சியை ஒழுங்குபடுத்தும் தெளிப்புகள்	பீட்டுட் பயிரிடுவதற்கு போரான், மாங்கனீசு, மற்றும் இரும்பு போன்ற முக்கிய நுண்ணூட்டகங்கள் மிகவும் அவசியம். மண் பகுப்பாய்வின் அடிப்படையில், இந்த அட்டச்சத்துகள் குறைவாக இருந்தால், அந்த அட்டச்சத்துகளைக் கொடுப்பதற்கான செயலாக கண்டியாக மேற்கொள்ள வேண்டும்.							
13	பூச்சி மற்றும் நோய் கட்டுப்பாடு	<p>செடிப்பேய்கள்: ப்ளோனிகாமிட் 50% டிபியுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 கிராம்) சிவப்பு சிலந்தி: ப்ளோனிகாமிட் 10% (லிட்டருக்கு 0.4 மில்லி) + ப்ளோனிகாமிட் 10% இசி (EC) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 மில்லி) செர்சோஸ்பொரா இலை புளி நோய்: மான்சோசெப் 75% டிபியுஜி (WP) (லிட்டருக்கு 2-2.5 கிராம்); நிச்சயமாக, பயிர் கழற்சி வேண்டும் எனப் பரிந்துரைக்கப்படுகிறது</p> <p>அடிச்சாம்பல் நோய்: டெபுடோகானசோல் 50% + டிசோபிளாக்சிஸ்ட்ரோபின் 25% டிபியுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 கிராம்) நாற்று அழுக்குகள்: கப்டான் 75% டிபியுஎஸ் (WS) (லிட்டருக்கு 1.5 முதல் 2 கிராம்) தண்டு அழுக்கு நோய்: பெரும்பாலும், போரான் அட்டச்சத்து குறைபாடால் பீட்டுட்களில் தண்டு அழுக்கு நோய் ஏற்படுகிறது. எனவே, பொதுமான போரான் இருப்பைப் பராமரிப்பது முக்கியம். குறைபாட்டு அறிகுதல்களைக் கட்டுப்படுத்த நட்பு-பருவக் காலத்தின் போது 0.2% போரிக் அமிலக் கரைசலை இலை மீது இரண்டு முறை தெளிக்க வேண்டும்.</p>							
14	அறுவடை	100-115 நாட்களில் பயிர் அறுவடைக்குத் தயாராகி விடும்.							
15	எதிர்பார்க்கப்படும் மகதல்	சாதகமான நிலைகளில் ஒரு நன்கு பராமரிக்கப்பட்ட பயிர் 8-10 டன்கள் மகதலை அளிக்கிறது.							
16	செமிப்புகம்	பீட்டுட்களின் வாயுநாளை அதிகரிக்க, அவற்றை அதிக ஈரப்பதம் உள்ள ஒரு குளிர்வான, இருண்ட இடத்தில், பொதுவாக 2 மற்றும் 5 டிகிரி செல்சியஸில் 35.6 முதல் 41 டிகிரி பாரன்ஹீட் வைத்திடுங்கள்.							
17	செய்யக்கூடாதவை	அதிக நீர் பாசனம் செய்யக்கூடாது மற்றும் நிழலில் பயிரிடக் கூடாது.							
18	செய்ய வேண்டியவை	பொதுமான துரிய வெளிச்சம் மற்றும் பொதுமான நீர் பாசனம், சமநிலைப்படுத்தப்பட்ட உரமிடல், நல்ல காற்றோட்டம் மற்றும் எளிதான அறுவடைகள்							
குறிப்பு	மேற்கண்ட தகவல் ஒரு பொதுவான அறிவுறுத்தல் குறிப்பிட்ட பகுதிகளை தனிப்பட்ட பரிந்துரைகளுக்கு, உங்களது மாநிலத்தில் இருக்கும் உள்ளூர் விவசாயத் துறையைத் தொடர்பு கொள்ளுங்கள்.								
முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகள்	பல்வேறு காரணிகளால், பயிர் வளர்ச்சி மற்றும் மகதல் பாதிக்கப்படலாம். எனவே, ஆலோசனைக்காக உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலரைச் சந்தித்து பேசுவது பரிந்துரைக்கப்படுகிறது. உயர் தர உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் மட்டுமே பயன்படுத்தப்படுகிறது என்பதை உறுதி செய்யுங்கள். விதைகள், உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் வாங்கிய ரீதியைத் தக்க வைத்துக்கொள்ளுங்கள்.								



ਚੁਕੰਦਰ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਦਾ ਤਰੀਕਾ

ਵਾਧੀਆਂ ਹੋਣਾ ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚੋਂ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਚੁਕੰਦਰ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਬੀਜ ਚੁਣਿਆ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਕੁਆਲਿਟੀ ਦੇ ਚੁਕੰਦਰ ਦੇ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਚੰਗਾ ਤਜਰਬਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਧ ਹੋ ਮੌਸਮਾਂ ਲਈ ਵਾਜਬ ਉੱਚ-ਉਪਚਿੰਟ ਵਾਲੀਆਂ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਫਸਲਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਉੱਚੇਸ਼ ਨਾਲ ਵਿਆਪਕ ਖੋਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਅਪਣਾਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਫੁਟਵੰਡਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਮਿਲ ਸਕਣ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੋਲ ਉੱਚ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਚੁਕੰਦਰ ਦੇ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਵਿਆਪਕ ਤਜਰਬਾ ਹੈ।

ਚੰਗੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਖੇਤੀ ਅਭਿਆਸਾਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰੋ। ਹੇਠਾਂ ਕੁਝ ਮੁੱਖ ਸੁਝਾਅ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਰੈਸਲਾ ਨੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ।

ਦਾਖੀਕ੍ਰਿਤ ਚੁਕੰਦਰ	ਹੀਰੋ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ - ਫਿਊਡਰ ਸਿੱਧੂ ਸਿੱਧੂ ੨੦੦							
ਮਿਆਦ	100-115 DAS							
ਖਰੀਦ	ਚਾਂ (ਨੌਡੀਆਂ ਬਾਵਾਂ 'ਤੇ)							
ਦੁਬੀ	ਚਾਂ							
ਸਮਿੱਠ	ਚਾਂ							
ਸਿੱਚਾਈ ਦਾ ਸਰੋਤ	ਬੋਰਵੇਲ/ਨਹਿਰ							

ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਧਿਆਨ ਦਿਓ ਕਿ ਫਸਲ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਪਰਿਪਕਤਾ ਮੌਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।

ਸੋਗੀਅਲ ਨੰ.	ਵੇਰਵੇ/ਕਾਰਜ/ਅਭਿਆਸ	ਕੌਮਕਾਜ ਦੇ ਵੇਰਵੇ। ਪੂਰੀ ਏਕੜ ਇਨਪੁਟ
1	ਖੇਤੀਬਾੜੀ-ਜਲਵਾਯੂ ਖੇਤਰ ਅਤੇ ਸਥਾਨ ਦੀ ਅਨੁਕੂਲਤਾ	ਤਾਪਮਾਨ: ਚੁਕੰਦਰ ਇੱਕ ਠੰਡੇ ਮੌਸਮ ਦੀ ਫਸਲ ਹੈ ਜੋ ਸਮੁੱਚੇ ਤੌਰ 'ਤੇ ਅਤੇ ਅੰਸ਼ਕ ਠੰਡੇ ਜਾਂ ਜੰਮਣ ਵਾਲੇ ਸਾਹਮਣੇ ਕਰ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਬਸੰਤ ਅਤੇ ਪਤਝੜ ਵਿੱਚ ਵਧਦਾ ਹੈ। ਚੁਕੰਦਰ ਦੇ ਬੀਜ 4.5 ਤੋਂ 30°C ਤੱਕ ਮਿੱਟੀ ਦੇ ਤਾਪਮਾਨ 'ਤੇ ਉਗਦੇ ਹਨ, ਜਿਸ ਦਾ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਤਾਪਮਾਨ 18 ਤੋਂ 24°C ਹੁੰਦਾ ਹੈ।
2	ਜ਼ਮੀਨ / ਮਿੱਟੀ	ਚੁਕੰਦਰ ਡੂੰਘੀ ਅਤੇ ਚੰਗੀ ਨਿਕਾਸ ਵਾਲੀ, ਢਿੱਲੀ, ਚਮਟ ਤੋਂ ਚੇਤਲੀ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਉੱਗਦਾ ਹੈ। ਚੁਕੰਦਰ 5.8 ਤੋਂ 7.0 ਦੇ pH ਵਾਲੀ ਮਿੱਟੀ ਨੂੰ ਤਰਜੀਹ ਦਿੰਦੇ ਹਨ, ਪਰ 7.6 ਤੱਕ pH ਨੂੰ ਵੀ ਸਹਿਣ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ।
3	ਮੌਸਮ/ਬਿਜਾਈ/ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਸਮਾਂ	ਬਿਜਾਈ ਦਾ ਸਮਾਂ ਉਤਪਾਦਨ ਖੇਤਰਾਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਵੱਖਰਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਸਰਦੀਆਂ ਦੀ ਬਾਇਸ਼ ਵਾਲੇ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿੱਚ, ਬੀਜ ਅਗਸਤ ਤੋਂ ਮਾਰਚ ਦੇ ਆਖਰ ਤੱਕ ਬੀਜ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਗਰਮੀਆਂ ਦੀ ਠੰਡੀ ਬਾਇਸ਼ ਵਾਲੇ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿੱਚ, ਬੀਜ ਅਗਸਤ ਦੇ ਆਖਰ ਤੋਂ ਮਾਰਚ ਦੇ ਮੱਧ ਤੱਕ ਬੀਜ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ।
4	ਬੀਜ ਦੀ ਦਰ/ਬਿਜਾਈ/ਲਾਉਣ ਦਾ ਤਰੀਕਾ	ਬੀਜ ਦੀ ਆਮ ਮਾਤਰਾ 2-4 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ / ਏਕੜ
5	ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਅਤੇ ਬਿਜਾਈ	ਬੀਜ ਬੀਜਣ ਲਈ ਜ਼ਮੀਨ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਿਆਰ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, 15 ਤੋਂ 20 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਡੂੰਘੀ ਵਾਰ ਕੇ ਮਿੱਟੀ ਦੇ ਢੇਲਿਆਂ ਨੂੰ ਤੋੜਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਮਿੱਟੀ ਵੀ ਜਿੰਨਾ ਸੰਭਵ ਹੋ ਸਕੇ ਪੱਕੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ, ਚੰਗੀ ਬਣਤਰ ਅਤੇ ਭਰਪੂਰ ਨਮੀ ਵਾਲੀ ਹੋਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
6	ਬੂਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ ਦੂਰੀ	ਬੀਜ ਲਗਭਗ 1 ਇੰਚ ਡੂੰਘਾ ਬੀਜ, ਕਤਾਰਾਂ ਵਿਚਕਾਰ 30-40 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਅਤੇ ਬੂਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ 20 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਦੀ ਦੂਰੀ ਰੱਖੋ।
7	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੀਜ ਦਾ ਉਪਚਾਰ	ਉਗਣ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਨੂੰ ਤੇਜ਼ ਕਰਨ ਲਈ, ਬੀਜਾਂ ਨੂੰ ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ 12 ਘੰਟੇ ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ ਡੁੱਬਾ ਦਿਓ। ਬੀਜਾਂ ਦਾ ਉਪਚਾਰ ਬੀਜਾਂ ਨੂੰ ਕੋਟਿੰਗ ਨਾਲ 2 ਗ੍ਰਾਮ ਪੂਰੀ ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਦੀ ਦਰ ਨਾਲ ਵੀ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।
8	ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਰਸਾਇਣਕ ਖਾਦ	ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ ਇੱਕ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਭੂਮਿਕਾ ਨਿਭਾਉਂਦਾ ਹੈ। ਮਿੱਟੀ ਦੇ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਣ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ, ਵਧ ਰਹੇ ਮੌਸਮ ਦੌਰਾਨ 120 ਤੋਂ 160 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ ਚੂਨਾ ਪੱਥਰ, ਅਮੋਨੀਅਮ ਨਾਈਟ੍ਰੇਟ, ਜਾਂ ਅਮੋਨੀਅਮ ਸਲਫੇਟ ਦੇ ਜਾਂ ਤਿੰਨ ਫਰੈਂਗਿੰਗ ਵਿੱਚ ਪਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਅਕਸਰ ਬਿਜਾਈ ਸਮੇਂ 60 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ ਪਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਜਦੋਂ ਕਿ ਬਾਕੀ ਦੀ ਮਾਤਰਾ ਬੂਟੇ 10 ਤੋਂ 15 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਦੀ ਉਚਾਈ 'ਤੇ ਪਹੁੰਚਣ 'ਤੇ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਕੁੱਲ 200-240 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ ਸੁਪਰਫਾਸਫੇਟ ਅਤੇ 80-120 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ ਪੋਟਾਸ਼ੀਅਮ ਕਲੋਰਾਈਡ ਪਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਧਿਆਨ ਵਿੱਚ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਆਮ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਹਨ, ਜਦੋਂ ਕਿ ਖਾਦ ਦੀ ਸਹੀ ਮਾਤਰਾ ਮਿੱਟੀ ਦੇ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਣ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਤੈਅ ਕੀਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।
9	ਸਿੱਚਾਈ ਦੀ ਸਮਾਂ-ਸਾਰਣੀ	ਮਿੱਟੀ ਨੂੰ ਕਦੇ ਵੀ ਸੁੱਕੇ ਨਹੀਂ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਅਤੇ ਇਸਨੂੰ 20 ਤੋਂ 25 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਦੀ ਡੂੰਘਾਈ ਤੱਕ ਨਮ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਤੱਕ ਛੋਟੇ ਬੂਟੇ ਵੱਡੇ ਨਹੀਂ ਹੋ ਜਾਂਦੇ, ਬੂਟਿਆਂ ਨੂੰ ਹਰ ਰੋਜ਼ ਹਲਕਾ ਜਿਹਾ ਪਾਣੀ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।
11	ਨਦੀਨਾਂ ਦੀ ਕਟਾਈ ਅਤੇ ਫਸਲਾਂ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ	ਬੀਜਾਂ ਦੇ ਉਗਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਨਦੀਨਾਂ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਤਾਂ ਜੋ ਉਹ ਚੁਕੰਦਰ ਦੇ ਬੂਟਿਆਂ ਦੇ ਵਧੇ ਵਿੱਚ ਵਿਘਨ ਨਾ ਪਾਉਣ। ਜਗ੍ਹਾ ਨੂੰ ਨੁਕਸਾਨ ਪਹੁੰਚਾਏ ਬਿਨਾਂ ਕਤਾਰਾਂ ਵਿਚਕਾਰਲੇ ਸਾਰੇ ਨਦੀਨਾਂ ਨੂੰ ਹੱਥਾਂ ਨਾਲ ਹਟਾਉਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਰਸਾਇਣਕ ਨਦੀਨਾਂ ਦੀ ਰੋਕਥਾਮ ਵੀ ਨਿਰਮਾਤਾ ਦੀਆਂ ਹਦਾਇਤਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ।
12	ਪੋਸਟਿਕ ਤੌੜਾ/ਵਿਕਾਸ ਰੈਗੂਲੇਟਰਾਂ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ	ਚੁਕੰਦਰ ਦੀ ਖੇਤੀ ਲਈ ਲੋੜੀਂਦੇ ਤਿੰਨ ਮੁੱਖ ਸੁਖਮ ਪੋਸਟਿਕ ਤੌੜੇ ਬੋਰਾਨ, ਮੈਗਨੀਸ਼ਿਅਮ ਅਤੇ ਆਇਰਨ ਹਨ। ਮਿੱਟੀ ਦੇ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਣ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ, ਜੇ ਕੋਈ ਪੋਸਟਿਕ ਤੌੜਾ ਵੀ ਘਾਟ ਹੈ, ਤਾਂ ਇਸਦੀ ਪੂਰਤੀ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰੱਖਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।
13	ਕੀਟ ਅਤੇ ਰੋਗ ਨਿਯੰਤਰਣ	ਏਫਿਡ, ਕਲੋਨੀਕਾਮਿਡ 50% WG (0.5 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਲਾਲ ਮੱਝੀ: ਫੋਨਾਜ਼ਬਾਇਨ 10% (0.4 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) + ਬਾਈਏਥਿਨ 10% EC (0.5 ਤੋਂ 1 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਸਿਰਕੋਸਪੋਰਾ ਲੀਡ ਆਪਟ: ਮੈਨਕੋਜੇਬ 75% WP (2-2.5 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ); ਫਸਲ ਚੱਕਰ ਦੀ ਬਦਲਾਅ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਡਾਉਨੀ ਫੁਫੂਦੀ ਰੋਗ ਲਈ: ਟੈਬੂਕੋਨਾਜੋਲ 50% + ਟਾਈਕੋਕੋਸੀਮਿਸਟ੍ਰੀਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਡੈਮਿੰਗ-ਆਫ: ਕੈਪਟਨ 75% WS (1.5 ਤੋਂ 2 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਹਾਰਟ ਰੋਟ: ਬੋਰੇਨ ਦੀ ਘਾਟ ਚੁਕੰਦਰ ਵਿੱਚ ਹਾਰਟ ਰੋਟ ਦਾ ਮੁੱਖ ਕਾਰਨ ਹੈ। ਇਸ ਰੋਗ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਲਈ ਬੋਰੇਨ ਦੀ ਲੋੜੀਂਦੀ ਸਪਲਾਈ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਵਾਧੀ ਦੇ ਵਿਚਕਾਰ ਪੌਤਿਆਂ 'ਤੇ 0.2% ਬੋਰਿਕ ਐਸਿਡ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰਕੇ ਘਾਟ ਦੇ ਲੱਛਣਾਂ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।
14	ਵਾਢੀ	ਫਸਲ ਦੀ ਕਟਾਈ 100-115 DAS ਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ।
15	ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਝਾੜ	ਇੱਕ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪ੍ਰਬੰਧਿਤ ਫਸਲ ਆਚਰਜ ਹਾਲਤਾਂ ਵਿੱਚ 8-10 ਟਨ ਪੈਦਾਵਾਰ ਦਿੰਦੀ ਹੈ।
16	ਸਟੋਰੇਜ	ਚੁਕੰਦਰ ਨੂੰ ਲੰਬੇ ਸਮੇਂ ਲਈ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਰੱਖਣ ਲਈ, ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਢੱਠੀ, ਧੌਲੀ ਅਤੇ ਨਮੀ ਵਾਲੀ ਜਗ੍ਹਾ 'ਤੇ ਸਟੋਰ ਕਰੋ, ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਤਾਪਮਾਨ 2 ਤੋਂ 5°C (35.6-41°F) ਹੈ।
17	ਕੀ ਨਾ ਕਰੋ	ਜਿਹਾਦਾ ਪਾਣੀ ਨਾ ਦਿਓ ਅਤੇ ਬੂਟੇ ਨੂੰ ਛਾਂ ਜਗ੍ਹਾ ਵਾਲੀ ਜਗ੍ਹਾ 'ਤੇ ਨਾ ਲਗਾਓ।
18	ਕੀ ਕਰੋ	ਲੋੜੀਂਦੀ ਖੁੱਪ, ਲੋੜੀਂਦਾ ਪਾਣੀ, ਸੰਤੁਲਿਤ ਖਾਦ, ਚੰਗੀ ਹਵਾ ਦਾ ਸੰਚਾਰ ਅਤੇ ਹੌਲੀ-ਹੌਲੀ ਕਟਾਈ

ਨੋਟ ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਿਰਫ ਆਮ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਖਾਸ ਖੇਤਰ ਲਈ ਖਾਸ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਰਾਜ ਦੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ।

ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ ਕੋਈ ਕਾਰਨ ਕਰਕੇ ਫਸਲਾਂ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਝਾੜ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਸਲਾਹ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਰਨ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਸਿਰਫ ਚੰਗੀ ਕੁਆਲਿਟੀ ਦੀਆਂ ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਬੀਜ, ਖਾਦ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਦੇ ਬਿੱਲਾਂ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੱਖੋ।

বিটরুট চাষের নিয়মাবলি

আভিনন্দনা আপন ক্রিস্টাল পরিবারের অন্যতম উৎকৃষ্ট বিটরুট বীজগুলি নির্বাচন করেছেন। উচ্চমানের বিটরুট বীজগুলি উপাদানে ক্রিস্টালের নিষ্ঠুরযোগ্য অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজগুলি ব্যাপক গবেষণার ফলাফল, যার উদ্দেশ্য বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুর উপযোগী, উচ্চফলনশীল হাইব্রিড ফসলের উন্নয়ন। কৃষকেরা যতে সর্বোচ্চ মানের বীজগুলি পান তা নিশ্চিত করতে উপাদানের সময় ক্রিস্টাল সর্বাধুনিক প্রযুক্তিগুলি গ্রহণ করে। ক্রিস্টালের বিটরুট বীজগুলি জীবজ এবং অজীবজ প্রতিকূলতার প্রতি সহনশীলতা সহ উৎকৃষ্ট অঙ্কুরোদগম এবং শক্তিশালী উদ্ভিদের বিকাশ প্রদান করে।
 অনুগ্রহ করে চমৎকার ফলন পেতে সর্বোত্তম কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ করুন। নিচে কিছু সাধারণ পরামর্শ দেওয়া হল, তাই আমরা আপনাকে বলছি অনুগ্রহ করে কোনো সিদ্ধান্ত নেওয়ার আগে পরামর্শগুলি পড়ুন।

হাইব্রিড বিটরুট	হীরো, হাইব্রিড, ব্রিগেড, সিংধু, সিংধু ২০০						
সময়সীমা	100-115 DAS						
খরিফ	হ্যাঁ (ঠান্ডা স্থানে)						
রবি	হ্যাঁ						
বসন্ত	হ্যাঁ						
সেচের উৎস	বোরওয়ালা/ খাল						

অনুগ্রহ করে মনে রাখবেন যে আবহাওয়ার পরিস্থিতি অনুযায়ী ফসলের বিকাশ ও পক্কতা আসার সময় ভিন্ন হতে পারে

ক্রমিক নম্বর	বিস্তারিত/ অপারেশন/ পদ্ধতি	প্রতি একর ইনপুটে অপারেশনের বিশদ
1	এলাকার উপযোগিতা/কৃষি-জলবায়ু জোন	তাপমাত্রা: বিটরুট একটি ঠান্ডা-আবহাওয়ার ফসল যা শীত এবং হালকা ঠান্ডা সহ্য করে। এটি বসন্ত এবং শরতে সবচেয়ে ভালোভাবে বিকাশ পায়। বিটরুটের বীজগুলি সর্বোত্তম 18 থেকে 24 °সেন্টিগ্রেড সহ, 4.5 থেকে 30°সেন্টিগ্রেড ম্যাটের তাপমাত্রায় অঙ্কুরিত হয়।
2	জমি / মাটি	বিটরুট গভীর, সু-নিষ্কাশিত, ব্লু-ক্লোর, দোআঁশ থেকে বালুকাময় মাটিতে সবচেয়ে ভালোভাবে জন্মায়। বিটরুট 5.8 থেকে 7.0 এর মাটি পছন্দ করে, কিন্তু 7.6 পর্যন্ত pH সহ্য করতে পারে।
3	ঋতু, বপন/রোপণের সময়	বপনের সময় উপাদান এলাকা ভেদে পরিবর্তিত হয়। শীতকালীন বৃষ্টিপাতযুক্ত এলাকায়, বীজ ঠান্ডা গ্রীষ্মযুক্ত এলাকায় আগস্ট থেকে মার্চের শেষ পর্যন্ত এবং আগস্টের শেষ থেকে মার্চের মাঝামাঝি পর্যন্ত বপন উপযুক্ত।
4	বীজের হার। বপন/রোপণের পদ্ধতি।	2-4কেজি/একর এর সাধারণ বীজের হার
5	মূল ক্ষেতের প্রস্তুতি এবং রোপণ	সীডবেড মাটির চেলা ভাঙতে 15 থেকে 20 সেন্টিমিটার গভীর চাষ করে ভালোভাবে প্রস্তুত করতে হবে। মাটি যতটা সম্ভব সমতল হওয়া, ভালো ক্রাশ স্ট্রাকচার এবং পর্যাপ্ত আর্দ্রতা থাকা উচিত।
6	ফাঁক	প্রায় 1 ইঞ্চি গভীরে বপন করা উচিত, সারির মধ্যে 30-40 সেন্টিমিটার ফাঁক এবং উদ্ভিদের মধ্যে 20 সেন্টিমিটার ফাঁক
7	বপনের আগে বীজের পরিচর্যা	রোপণের আগে দ্রুত অঙ্কুরিদগমের জন্য 12 ঘণ্টার জন্য বীজগুলি জলে ভিজিয়ে রাখুন। ব্যতিক্রমভাবে বীজগুলি বীজের প্রতি কেজিতে 2 গ্রামে থিরাইম অথবা ক্যাপ্টানের সঙ্গে প্রয়োগ করা যেতে পারে।
8	জৈব এবং রাসায়নিক সার	নাইট্রোজেনের ভূমিকা অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। মাটির বিশ্লেষণের উপর নির্ভর করে, 120-160 কেজি/একর চূনাপাথর, অ্যামোনিয়াম নাইট্রেট অথবা অ্যামোনিয়াম সালফেট বিকাশের মরশুমে 2 অথবা 3বার ছুঁড়িয়ে দেওয়া হয়। সাধারণত রোপণের সময় প্রায় 60 কেজি/একর নাইট্রোজেন দেওয়া হয় এবং বাকি উদ্ভিদগুলি প্রায় 10 থেকে 15 সেন্টিমিটার লম্বা হলে দেওয়া হয়। মোট 200-240 কেজি/একর সুপারফসফেট এবং 80-120 কেজি/একর পটাশিয়াম ক্লোরাইড বপনের ঠিক আগে প্রয়োগ করা হয়। এটি লক্ষ্য করা জরুরি যে এগুলো সাধারণ সুপারিশ, এবং সারের প্রকৃত পরিমাণ মাটির পরীক্ষার ভিত্তিতে নির্ধারণ করা উচিত।
9	সেচের সময়সূচী	মাটিকে কখনও শুকিয়ে যেতে দেওয়া উচিত নয় এবং এটি 20 থেকে 25 সেন্টিমিটার গভীর পর্যন্ত আর্দ্র রাখা উচিত। উদ্ভিদগুলি একতরফীকালিক জল দেওয়া উচিত যতক্ষণ না নতুন অঙ্কুর বের হয়।
11	আগাছ নিবারণ/ মধ্যশস্য পরিচর্যা	ক্ষেতে আগাছা নিয়ন্ত্রণ করতে হবে যাতে তা বিটের অঙ্কুরের সঙ্গে প্রতিযোগিতা না করে এবং তাদের বিকাশে বিঘ্ন না সৃষ্টি করে। সারির মধ্যে থাকা সব আগাছা হাত দিয়ে সরতে হবে যাতে মূল ক্ষতিগ্রস্ত না হয়। রাসায়নিক আগাছা নিয়ন্ত্রণ উপাদানের দ্বারা নিচের নির্দিষ্ট নির্দেশিকাও ব্যবহার করতে পারে।
12	ক্ষুদ্রপুষ্টি/বিকাশ নিয়ন্ত্রক ছিটান	বীট চাষে বোর্ন, ম্যাঙ্গানিজ এবং লোহা হল তিনটি গুরুত্বপূর্ণ ক্ষুদ্রপুষ্টি উপাদান। মাটির বিশ্লেষণের ভিত্তিতে, যদি এই পুষ্টি উপাদানগুলো অভাবিত হয়, তবে এগুলো সরবরাহ করার জন্য সতর্কতা অবলম্বন করতে হবে।
13	কীট এবং রোগ নিয়ন্ত্রণ	এলাকা: ফ্লোনকামড 50% WG (0.5 গ্রাম/লিটার) লাল মাকড়সা: ফেনাজকুইন 10% (0.4মিলি/লিটার/লিটার) + বাইফেনথ্রিন 10% EC (0.5 থেকে 1 মিলি/লিটার/লিটার) সেরকোম্পোর পাতার দাগ: ম্যানকোজেব 75% WP (2-2.5 গ্রাম প্রতি লিটার); ফসল চক্র অত্যন্ত সুপারিশযোগ্য ডাউনি মিলডিউ: টেবুকোনাজল 50% + ট্রাইফ্লুরিডোইন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রতি লিটার) ডাম্পিং-অফ: ক্যাপটান 75% WS (1.5 থেকে 2 গ্রাম প্রতি লিটার) হাট রট: বিটের মূলের হাট রট প্রায়শই বোর্নের অভাবে হয়, তাই পর্যাপ্ত বোর্ন নিশ্চিত করা গুরুত্বপূর্ণ। অভাবের লক্ষণ নিয়ন্ত্রণ করতে মধ্যমোৎসে পাতার উপর 0.2% বোরিক অ্যাসিড দ্রবণ দুইবার ছিটানো যেতে পারে।
14	ফসল কাটা	100-115 DAS তে ফসল কাটার জন্য প্রস্তুত
15	প্রত্যাশিত ফলন	আদর্শ পরিস্থিতিতে, সঠিকভাবে পরিচালিত ফসল থেকে 8-10 টন ফলন পাওয়া যায়।
16	সংরক্ষণ	বিটের শেলফ লাইফ বাড়তে এগুলো ঠান্ডা, অন্ধকার এবং আর্দ্র পরিবেশে সংরক্ষণ করতে হবে, আদর্শ তাপমাত্রা 2 এবং 5 ডিগ্রি সেন্টিগ্রেড (35.6 থেকে 41 ডিগ্রি ফারেনহাইট) হওয়া উচিত।
17	করবেন না	অতিরিক্ত সেচ করবেন না এবং ছয় বানা উচিত নয়।
18	করবেন	উপযুক্ত সূর্যালোক এবং পর্যাপ্ত সেচ, সুস্থ সার প্রয়োগ, ভালো বাতাস চলাচল এবং নরমভাবে ফসল কাটা

দ্রষ্টব্য উপরের তথ্যটি একটি সাধারণ পরামর্শ। নির্দিষ্ট এলাকার জন্য বিশেষ সুপারিশের জন্য, অনুগ্রহ করে স্থানীয় রাজ্য কৃষি দপ্তরের সঙ্গে যোগাযোগ করুন।
সতর্কতা ফসলের বিকাশ এবং ফলন বিভিন্ন উপাদানের দ্বারা প্রভাবিত হতে পারে। অতএব, পরামর্শের জন্য আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারের সঙ্গে যোগাযোগ করা সুপারিশ করা হচ্ছে। নিশ্চিত করুন যে শুধুমাত্র উচ্চমানের সার এবং কীটনাশক ব্যবহার করা হচ্ছে। বীজ, সার এবং কৌশলিক ক্রয় করার রশিদ রাখুন।

বীটকট অনুশীলনৰ পেকেজ

অভিনন্দন! আপুনি ক্ৰিষ্টেল পাৰিষালৰ এটা উৎকৃষ্ট বীটৰ বীজ বাচি লৈছে। উচ্চ মানৰ বীট বীজ উৎপাদনত ক্ৰিষ্টেলৰ দৃঢ় অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজবোৰ হৈছে বিস্তৃত গৱেষণাৰ ফলাফল, যাৰ লক্ষ্য হৈছে বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুৰ বাবে উপযুক্ত উচ্চ-উৎপাদনশীল হাইব্ৰিড শস্য বিকাশ কৰা। বীজ উৎপাদনৰ সময়ত ক্ৰিষ্টেলে শেহতীয়া প্ৰযুক্তি গ্ৰহণ কৰে যাতে কৃষকসকলে সৰ্বোচ্চ মানৰ বীজ লাভ কৰে। ক্ৰিষ্টেলৰ বিট্টট বীজে জৈৱিক আৰু অজৈৱিক চাপৰ প্ৰতি সহনশীলতাৰ সৈতে উৎকৃষ্ট অংকুৰণ আৰু উন্নত শক্তি প্ৰদান কৰে। অনুগ্ৰহ কৰি উৎকৃষ্ট কৃষি পদ্ধতি গ্ৰহণ কৰি উৎকৃষ্ট উৎপাদন লাভ কৰক। তলত দিয়া সাধাৰণ পৰামৰ্শসমূহ প্ৰদান কৰা হৈছে, গতিকে আমি আপোনাক অনুৰোধ কৰোঁ যে আপুনি কোনো সিদ্ধান্ত

বীটকট হাই	হীৰো, হাইব্ৰিড. ব্ৰিগেড, সিংধু, সিংধু ২০০			
সময়কাল	100-115 DAS			
খাৰিফ	হয় (শীতল ঠাইত)			
ৰাৰি	হয়			
বসন্ত	হয়			
জলসিঞ্চন	বৰৰেল/ কেনেল			

অনুগ্ৰহ কৰি মন কৰিব যে বতৰ অনুসৰি শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু পৰিপক্বতা ভিন্ন হ'ব পাৰে।

ক্রামিক নম্বৰ	সবিশেষ/কাৰ্য্য/অনুশীলন	কাৰ্যৰ বিৱৰণ, প্ৰতি একৰ ইনপুট
1	অঞ্চলটোৰ উপযোগীতা/কৃষি জলবায়ু অঞ্চল	উষ্ণতা: বীটকট হৈছে শীতল বতৰৰ শস্য যি কঠিন আৰু কিছু জমা সহ্য কৰে। ই বসন্ত আৰু গ্ৰীষ্মকালত ভালকৈ বৃদ্ধি পায়। বীজৰ বীজবোৰ মাটিৰ তাপমাত্ৰাত 4.5ৰ পৰা 30°C ত গজায়, ইয়াৰ সৰ্বোত্তম তাপমাত্ৰা 18ৰ পৰা 24°C।
2	ভূমি / মাটি	বীটকটে গভীৰ আৰু ভালদৰে পানী ওলাই যোৱা, টিলা, লোমযুক্তৰ পৰা বালিচহীয়া মাটিত সৰ্বোত্তম কাম কৰে। বীটকটে মাটিৰ pH 5.8 ৰ পৰা 7.0 পছন্দ কৰে, কিন্তু 7.6 পৰ্যন্ত pH সহ্য কৰিব পাৰে।
3	খাত বীজ সিঁচাৰ/পেলোৱাৰ সময়	বীজ সিঁচাৰ সময় উৎপাদন ক্ষেত্ৰ অনুসৰি পৃথক হয়। শীতকালীন বৰষুণ হোৱা অঞ্চলত, বীজ আগষ্টৰ পৰা মাৰ্চৰ শেষলৈকে আৰু শীতল গ্ৰীষ্ম থকা অঞ্চলত আগষ্টৰ শেষৰ পৰা মাৰ্চৰ মাজলৈকে সিঁচিব পাৰি।
4	বীজৰ হাৰ। বীজ সিঁচা/পেলোৱা পদ্ধতি	2-4 কেজি /বিঘা মাটিত সাধাৰণ বীজ ৰোপণ
5	মূল পথাৰৰ প্ৰস্তুতি আৰু ৰোপণ	বীজতলী ভালদৰে সাজু কৰি 15ৰ পৰা 20 ছে:মি: গভীৰতাত খেতি কৰি গুটিবোৰ ভাঙি পেলাব লাগে। মাটিও যথাসম্ভৱ সমতল হোৱা উচিত, ভাল ভাঙি গঠন আৰু পৰ্যাপ্ত আৰ্দ্ৰতা থকা উচিত।
6	ব্যৱধান	প্ৰায় 1 ইঞ্চি গভীৰতাত সিঁচা, আৰু শাৰীসমূহৰ মাজত 30-40 ছে:মি: আৰু উদ্ভিদৰ মাজত 20 ছে:মি: ব্যৱধান
7	বীজ সিঁচাৰ আগতে বীজৰ শোধনীকৰণ	বীজ ৰোপণ কৰাৰ আগতে 12 ঘণ্টাৰ বাবে পানীত ভিজাই থওক যাতে বীজবোৰ দ্ৰুতগতিত গজিব পাৰে। বিকল্পভাৱে বীজসমূহক প্ৰতি কেজি বীজত 2গ্ৰাম থাইৰাম বা কেপ্টান শোধন কৰিব পাৰি।
8	সাৰ আৰু সাৰকাৰ পদাৰ্থ	মাটিৰ বিশ্লেষণৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰি 120-160 কেজি/একৰ আৰ্দ্ৰ শিল, এমোনিয়াম নাইট্ৰেট বা এমোনিয়াম ছালফেট 2 বা 3 টা ড্ৰেছিঙত বৃদ্ধিৰ সময়ছোৱাত প্ৰয়োগ কৰা হয়। প্ৰায় 60 কেজি/একৰ নাইট্ৰজেন সাধাৰণতে ৰোপণৰ সময়ত আৰু বাকীখিনি যেতিয়া উদ্ভিদবোৰ প্ৰায় 10ৰ পৰা 15 ছে:মি: উচ্চ হয় তেতিয়া প্ৰয়োগ কৰা হয়। বীজ সিঁচাৰ পূৰ্বে 200-240 কেজি/একৰ ছুপাৰফছফেট আৰু 80-120 কেজি /একৰ পটাছিয়াম ক্ল'ৰাইড প্ৰয়োগ কৰা হয়। মন কৰিবলগীয়া যে এইবোৰ সাধাৰণ পৰামৰ্শ আৰু প্ৰকৃত সাৰৰ পৰিমাণ মাটিৰ বিশ্লেষণৰ ওপৰত ভিত্তি কৰি নিৰ্ণয় কৰা উচিত।
9	জলসিঞ্চনৰ সময়সূচী	মাটি কেতিয়াও শুকাবলৈ দিব নালাগে আৰু ইয়াক 20ৰ পৰা 25 ছে:মি: গভীৰতালৈকে আৰ্দ্ৰ কৰি ৰাখিব লাগে। গছপুলিবোৰত প্ৰতিদিনে হালধীয়া পানী প্ৰয়োগ কৰিব লাগে যেতিয়ালৈকে নৱজাতক গছপুলি ওলাই নাহে।
11	ঘাঁহ কাটি/আন্তঃ-সংস্কৃতি	বীটৰ পুলিৰ লগত প্ৰতিদ্বন্দ্বিতা কৰিব পৰাৰ আগতে আৰু ইয়াৰ বৃদ্ধিত বাধাৰ সৃষ্টি কৰাৰ আগতে অপতৃণ নিয়ন্ত্ৰণ কৰিব লাগিব। শাৰীবোৰৰ মাজত থকা সকলো শাক-পাচলি শিকলিৰ ক্ষতি ৰোধ কৰিবলৈ হাতেৰে কাটি পেলাব লাগে। নিৰ্মাতাই নিৰ্ধাৰণ কৰা নিৰ্দেশনাৱলী অনুসৰে ৰাসায়নিক ঘাঁহনিৰোধকও ব্যৱহাৰ কৰিব পাৰি।
12	ক্ষুদ্ৰ পুষ্টি/বৃদ্ধি নিয়ন্ত্ৰক স্প্ৰে	বৰন, মেংগানিজ আৰু আয়ৰন হ'ল বীট খেতিৰ বাবে গুৰুত্বপূৰ্ণ তিনিটা প্ৰধান ক্ষুদ্ৰ পুষ্টি পদাৰ্থ। মাটিৰ বিশ্লেষণৰ ভিত্তিত, যদি এই পুষ্টিৰ অভাৱ হয়, এই পুষ্টি প্ৰদান কৰিবলৈ যত্ন ল'ব লাগিব।
13	কীট-পতংগ আৰু ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ	এফিডছ: ফ্লোৱিকামাইড 50% WG (0.5 গ্ৰাম/লিটাৰ) ৰঙা মকৰা: ফেনাজকুইন 10% (0.4 মিলি) + বিফেনথ্ৰিন 10% EC (0.5ৰ পৰা 1 মিলি) চেৰক স্প'ৰা পাতৰ দাগ: মানকোজেব 75% WP (প্ৰতি লিটাৰত 2-2.5 গ্ৰাম); শস্য আৱৰ্তন কৰাটো অতিশয় বাঞ্ছনীয় ডাউনি মিল্ডিউ: টেবুক নাভাল 50% + ট্ৰাইফ্ল'ক্সেবিন 25% WG (প্ৰতি লিটাৰত 0.5ৰ পৰা 1 গ্ৰাম) আৰ্দ্ৰতা: কেপ্টান 75% WS (1.5ৰ পৰা 2 গ্ৰাম প্ৰতি লিটাৰ) হাট পচা: বীটৰ হাট পচা বেছিভাগেই বৰৰ অভাৱৰ বাবে হয়, আৰু সেয়ে পৰ্যাপ্ত বৰন ৰক্ষণাবেক্ষণ গুৰুত্বপূৰ্ণ। বোৰিক এচিডৰ 0.2% দ্ৰৱটো খাতৰ মাজভাগত দুবাৰ পাতলীয়া গছজোপাৰ ওপৰত স্প্ৰে কৰিব পাৰি যাতে অভাৱৰ লক্ষণসমূহ নিয়ন্ত্ৰণ কৰিব পাৰি।
14	শস্য চপোৱা	100-115 DAS শস্য চপোৱাৰ বাবে সাজু
15	প্ৰত্যাশিত উৎপাদন	ভালদৰে পৰিচালিত শস্যৰ পৰা আদৰ্শ পৰিস্থিতিত 8-10 টন উৎপাদন হয়।
16	সংৰক্ষণ	বুটৰ শেল্ফ লাইফ সৰ্বাধিক কৰিবলৈ ইয়াক অধিক আৰ্দ্ৰতা থকা শীতল, আন্ধাৰ ঠাইত ৰাখিব লাগে, আদৰ্শগতভাৱে 2ৰ পৰা 5 ডিগ্ৰী চেলছিয়াছৰ ভিতৰত (35.6ৰ পৰা 41 ডিগ্ৰী ফাৰেনহাইট)
17	নকৰিবা	অতিৰিক্ত জলসিঞ্চন নকৰিব, আৰু ছাঁত ৰোপণ নকৰিব।
18	কৰিবা	সঠিক সূৰ্যৰ পোহৰ আৰু পৰ্যাপ্ত জলসিঞ্চন, সুস্থ সাৰ, ভাল বায়ু চলাচল আৰু মৃদু শস্য

টোকা ওপৰৰ তথ্যসমূহ সাধাৰণ পৰামৰ্শৰ বাবেহে দিয়া হৈছে। বিশেষ অঞ্চলৰ সৈতে সম্পৰ্কিত বিশেষ পৰামৰ্শৰ বাবে, অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় ৰাজ্যিক কৃষি বিভাগৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।

সাৱধান শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু উৎপাদন বিভিন্ন কাৰকৰ দ্বাৰা প্ৰভাৱিত হ'ব পাৰে। সেয়েহে, পৰামৰ্শৰ বাবে আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক। নিশ্চিত কৰক যে কেৱল উচ্চ মানৰ সাৰ আৰু কীটনাশক ব্যৱহাৰ কৰা হয়। বীজ, সাৰ আৰু কীটনাশক ঠিক ক্ৰম কৰাৰ বিলাবোৰ ৰাখক।